RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:150 ता. 03 दिसम्बर 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नोएडा के बच्चों के लिए नया खतरा बन रहा डेंगू, गंभीरता पर रिसर्च के लिए सीरोटाइप जांच शुरू

नोएडा सेक्टर-30 के बाल चिकित्सालय में बच्चों में डेंगू की बीमारी की गंभीरता पर शोध के लिए सीरोटाइप जांच शुरू कर दी गई है। डेंगू से पीड़ित 40 मरीजों के नमूनों की जांच रिपोर्ट आई है, जिसमें ज्यादातर डेन टू वायरस से पीड़ित मिले हैं। बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर संस्थान में नवंबर में डेंगू से पीड़ित 40 मरीजों के नमूनों की सीरोटाइप जांच की गई। इसमें से 22 में डेन टू के वायरस मिले। वहीं, दो नमूनों में डेन वन और एक में डेन थ्री वायरस की पुष्टि हुई। अब बाल चिकित्सालय इन मरीजों की बीमारी की गंभीरता का अध्ययन करेगा। अध्ययन में यह पता किया जाएगा कि अलग-अलग मरीज में बीमारी की गंभीरता, लक्षण, इलाज की अवधि आदि क्या रही। इसके बाद इसके आंकड़े निकाले जाएंगे। इन मरीजों के नमूनों की सीरोटाइप जांच के लिए संस्थान के निदेशक डॉ. एके सिंह ने किट उपलब्ध कराई। बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर संस्थान के माइक्रोबायलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. सुमी नंदवानी ने बताया कि सीरोटाइप जांच रिपोर्ट केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग को भेज दी गई है। आने वाले दिनों में भी जांच की जाएगी। अगले साल जनवरी तक जांच रिपोर्ट सहित शोध से जुड़े अन्य पहलू की जानकारी उपलब्ध होगी। रिपोर्ट में उम्र के आधार पर मरीजों में बीमारी की गंभीरता की जानकारी भी इकट्ठा की जाएगी। बाल चिकित्सालय के माइक्रोबायॉलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. सुमी नंदवानी ने बताया कि शोध का उद्देश्य 18 साल से कम उम्र के किशोर और बच्चों में डेंगू की गंभीरता और प्रबलता की जानकारी प्राप्त करनी है। साथ यह भी पता करना है कि साल दर साल डेंगू के वायरस का प्रभाव किस तरह से बच्चों को प्रभावित करता है। इससे पहले कई नमूनों की जांच दिल्ली में भी कराई गई थी। अब बाल चिकित्सालय में ही सिरोटाइप जांच शुरू कर दी गई है।

टेस्ट करने के लिए 1200 और किट मिलीं-बाल चिकित्सालय में डेंगू सीरोटाइप जांच के लिए गुरुवार को 1200 जांच किट मिलीं। जांच का दायरा बढ़ाने के लिए नई जांच किट मंगाई गई हैं। ज्यादा से ज्यादा मरीजों के नमूनों की जांच की जाएगी। नई जांच रिपोर्ट को भी शोध में शामिल किया जाएगा।

शरद पवार के कहने पर शिंदे-फडणवीस की सरकार में शामिल हुआ; अजित पवार का दावा

● अजित पवार ने दावा किया कि जब उन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने का फैसला किया तो उनके चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार भी उनके साथ थे।

मुंबई। अजित पवार ने दावा किया कि जब उन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने का फैसला किया तो उनके चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार भी उनके साथ थे। जूनियर पवार ने कहा, एक पारिवारिक चर्चा के दौरान शरद पवार ने मुझसे सरकार में शामिल होने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वह पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने 2 मई को एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान अपने इस्तीफे की घोषणा भी की थी। लेकिन बाद में उन्होंने विधायक जितेंद्र अवध और पूर्व सांसद आनंद परांजपे को बुलाया और उन्हें कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करने और वाईबी चव्हाण केंद्र में उनके इस्तीफे वापसी की मांग को लेकर आंदोलन करने का निर्देश दिया।

अजित पवार ने कहा कि अगर वह (शरद पवार) इस्तीफा नहीं देना चाहते थे तो उन्हें हमें बताना चाहिए था। इस सब की क्या जरूरत थी? अजित पवार ने रायगढ़ जिले के कर्जत में आयोजित पार्टी के दो दिवसीय सम्मेलन के दूसरे दिन यह दावा किया है।

उन्होंने दावा किया कि शरद पवार ने बाद के कुछ मौकों पर भी पलटवार किया।

अजित पवार ने कहा, आखिरकार 2 जुलाई को हम महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो गए। उन्होंने 17 जुलाई को शपथ लेने वाले सभी मंत्रियों को वाईबी चव्हाण केंद्र में बुलाया। हम अगले दिन उन सभी विधायकों के साथ फिर से वहां गए जो हमारा समर्थन कर रहे थे। उनके करीबी सहयोगियों ने कहा कि ट्रेन पटरी पर है इसलिए हमें उम्मीद थी कि सब कुछ जल्द ही ठीक हो जाएगा। हमने उनके संदेश का इंतजार किया, जो कभी नहीं आया।

2 मई को एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान अपने इस्तीफे की घोषणा भी की थी। लेकिन बाद में उन्होंने विधायक जितेंद्र अवध ओर पूर्व सांसद आनंद परांजपे को बुलाया ओर उन्हें कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करने और वाईबी चव्हाण केंद्र में उनके इस्तीफे वापसी की मांग को लेकर आंदोलन करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि अगस्त में सुलह के संकेत फिर सामने आए, जब शरद पवार ने उन्हें और अन्य बागी नेताओं को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। अजित पवार ने कहा, मैं 12 अगस्त को जयंत पाटिल के साथ लंच मीटिंग के लिए गया था। लेकिन फिर कोई और संदेश नहीं आया। अगर वह हमारा समर्थन नहीं करना चाहते थे तो फिर क्यों मिलते रहे और इसके विपरीत संकेत देते रहे। मैं यह आरोप नहीं लगाऊंगा कि उन्होंने मुझे धोखा दिया, लेकिन यह जरूर कहूंगा कि वह मुझे हमेशा अंधेरे में रखते हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनका गुट बारामती की उन सभी चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा जो 2019 के लोकसभा चुनावों में एनसीपी ने जीती थीं। अजित पवार ने कहा, सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान हम उन सीटों को हासिल करने की कोशिश करेंगे जो वर्तमान में शिवसेना के ठाकरे गुट के पास हैं, लेकिन वहां एनसीपी की भी अच्छी ताकत है। हम सभी को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है ताकि एनडीए आगामी आम चुनाव में अधिकतम सीटें जीत सके।

सट्टा बाजार में राजस्थान में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत, कांग्रेस का कैसा हाल

किन-किन की कुर्सी खतरे में?

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए वोटों की गिनती में अब बस एक दिन शेष रह गया है और दोनों ही दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। हालांकि, दावे और एग्जिट पोल अनुमान भले ही कुछ भी हों, लेकिन राज्य के सबसे बड़े फलोदी सट्टा बाजार के रुझानों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत मिलने का संकेत मिल रहा है। सटोरिये भाजपा की जीत को लेकर ज्यादा आश्वस्त दिख रहे हैं और भगवा पार्टी को 115 से ऊपर और कांग्रेस को अधिकतम 70 सीटें दे रहे हैं। सट्टेबाजों ने कि सट्टा रुझान भले ही जमीन पर स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं कर सकता है, लेकिन फिलहाल बीजेपी पसंदीदा है। द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एक सट्टेबाज ने बताया, भाजपा के 117 सीटें जीतने के अनुमान पर सट्टा लगाने वालों को एक रुपये से लेकर 25 पैसे तक का भाव ऑफर किया जा रहा है। इसी तरह, कांग्रेस के 70 से ज्यादा सीटें नहीं जीतने पर दांव लगाने वालों के लिए 1 रुपये 25 पैसे से लेकर एक रुपये तक का ऑफर दिया जा रहा है। सट्टा बाजार के मुताबिक, कई कैबिनेट मंत्रियों समेत दोनों पार्टियों के कई प्रमुख नेताओं की किस्मत इस बार खतरे में है। सट्टेबाजों ने कुछ मंत्रियों की हार की भविष्यवाणी की है। अनुमान के मुताबिक, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपनी-अपनी सीटें जीत रहे हैं। बागियों के खिलाफ चुनाव लड़ने के कारण दोनों पार्टियों के कई प्रमुख नेताओं की किस्मत फंसी हुई है। इनमें प्रमुख हैं भाजपा के बालकनाथ (तिजारा) और नरपत सिंह राजवी (चित्तौड़गढ़) और कांग्रेस के बी.डी. कल्ला (बीकानेर पश्चिम) और हरीश चौधरी (बायतु)। शियो (बाड़मेर) में बीजेपी के बागी रवींद्र सिंह भाटी और बाड़मेर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी की बागी प्रियंका चौधरी की स्थिति मजबूत बताई जा रही है। बाड़मेर जिले में कांग्रेस के मानवेंद्र सिंह (सिवाना) और सोनाराम चौधरी (गुड़ामालानी) संघर्ष करते बताए जा रहे हैं। इसी तरह जैसलमेर विधानसभा सीट पर कांग्रेस के रूपाराम और बीजेपी के छोटू सिंह के बीच कांटे की टक्कर है।

अपने संगठनात्मक कौशल से बनाई अपनी पहचान

जेपी नड्डा के जन्मदिन पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा को उनके 63वें जन्मदिन पर बधाई दी। साथ ही, उन्होंने एक विधायक और एक मंत्री सहित उनके करियर के दौरान विभिन्न क्षमताओं में काम की सराहना की।

कई लोगों के चहेते बने नड्डा

पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷उन्होंने अपने संगठनात्मक कौशल से अपनी पहचान बनाई है। उनके सरल और गर्मजोशी भरे स्वभाव ने उन्हें कई लोगों का चहेता बना दिया है। मैंने उन्हें पिछले कई दशकों से पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करते देखा है÷ प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने खुद को एक बहुत अच्छे विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में भी प्रतिष्ठित किया है। मैं लोगों की सेवा में उनके लंबे और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

जिम्मेदारियों के साथ बढ़ी दक्षता

एक महत्वपूर्ण नेता, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और फिर भाजपा की युवा शाखा में एक छात्र नेता के रूप में अपने दिनों से ही नड्डा ने समूहवाद से बचने और संगठनात्मक अनुशासन के एजेंडे पर बने रहने की प्राथमिकता का प्रदर्शन किया और जैसे-जैसे उसकी जिम्मेदारियां बढ़ती गईं, उनकी दक्षता भी बढ़ती गई। भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति में लाए जाने से पहले वह हिमाचल प्रदेश में विधायक और मंत्री थे। 2020 में अमित शाह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने से पहले नड्डा पहली मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री थे, जो बाद में गृह मंत्री के रूप में केंद्र सरकार में शामिल हुए थे।

गृह मंत्री शाह ने दी बधाई

गृह मंत्री अमित शाह ने अपने पोस्ट में कहा कि नड्डा अपने संगठनात्मक कौशल और कड़ी मेहनत से भाजपा का विस्तार करने और इसे और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भाजपा 2024 में नड्डा के अध्यक्ष के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

दिल्ली की हवा फिर हुई जहरीली, सांसों पर संकट गहराया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा फिर जहरीली हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में आज (शनिवार) सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई क्षेत्रों में बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया। आनंद विहार में यह 388, अशोक विहार में 386, लोधी रोड में 349 और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 366 दर्ज किया गया। एकाध स्थानों पर यह 450 तक पहुंच गया। लगातार जहरीली हवा में सांस ले रहे दिल्लीवासियों के लिए दिसंबर की शुरुआत भी खासी प्रदूषित रही। वर्ष 2016 के बाद इस साल एक दिसंबर को सबसे ज्यादा एक्यूआई दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार कल दिल्ली का एक्यूआई 372 यानी बहुत खराब श्रेणी में रहा।

दिल्ली के रामलीला मैदान में 18 को होगी 10000 लोगों की मुस्लिम महापंचायत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट बताया कि उसने कुछ शर्तों के साथ मिशन सेव कॉन्स्टिट्यूशन को दिल्ली के रामलीला मैदान में 18 दिसंबर को अखिल भारतीय मुस्लिम महापंचायत आयोजित करने की अनुमति दी है। इस महापंचायत में 10 हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। मिशन सेव कॉन्स्टिट्यूशन संगठन का दावा है कि वह नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम करता है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने दिल्ली पुलिस की दलील पर गौर करने के बाद संगठन द्वारा दायर याचिका का निपटारा कर दिया और यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी अन्य विभाग कार्यक्रम या निर्धारित तिथि पर स्थल की उपलब्धता को लेकर कोई आपत्ति नहीं उठाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता को कार्यक्रम के सुरक्षित और सुचारू संचालन के लिए

आयोजक द्वारा सुनिश्चित किए गए बिंदुओं पर 18 दिसंबर को कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति दी गई है, रिट याचिका का निपटारा किया जाता है। मिशन सेव कॉन्स्टिट्यूशन ने पहले यह कहते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि वह 4 दिसंबर को रामलीला मैदान में महापंचायत के आयोजन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की मांग करने वाले अपने आवेदन पर पुलिस उपायुक्त, सेंट्रल जिला के निर्णय के लंबित रहने से व्यथित है। 4 दिसंबर को मैदान उपलब्ध नहीं था, इसलिए अदालत ने पुलिस से वह तारीख देने को कहा था जब याचिकाकर्ता के लिए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मैदान उपलब्ध हो। इसके बाद संगठन ने 18 दिसंबर की तारीख का चयन किया।

इन शर्तों का पालन करना जरूरी-दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए वकील अरुण पंवार ने याचिकाकर्ताओं से कुछ बिंदुओं पर उन्हें आश्वस्त करने को कहा, जिसमें प्रस्तावित 10,000 लोगों से भीड़ में वृद्धि नहीं होने की बात भी शामिल थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यक्रम सुरक्षित और सुचारू रूप से आयोजित किया जा सके। दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा कि वक्ताओं के नाम और संख्या, जैसा कि अधिकारियों को बता दिया गया है, उससे अधिक या बदलाव नहीं होगा और कोई भी वक्ता भारतीय कानूनों के खिलाफ कुछ भी नहीं कहेगा या भड़काऊ भाषण नहीं देगा जो सार्वजनिक सद्भाव, शांति और क्षेत्र की शांति को बिगाड़ सकता है। इस मामले में दायर एक स्टेटस रिपोर्ट में दिल्ली पुलिस ने पहले कहा था कि मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तावित एक बड़ी धार्मिक सभा, चिंताजनक है और सांप्रदायिक सद्भाव और कानून व्यवस्था के हित में नहीं है, इसलिए याचिकाकर्ता को कार्यक्रम स्थल बदलना चाहिए। बता दें कि, वकील महमूद प्राचा की अध्यक्षता वाले संगठन मिशन सेव कॉन्स्टिट्यूशन ने कहा है कि यह जनता, विशेषकर उत्पीड़ित वर्गों के बीच संविधान में निहित उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके संकट और पीड़ा को कम करने के लिए संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों का उपयोग करने के लिए काम करता है।

मौसम विभाग की चेतावनी! 5 दिसंबर से होगी भारी बारिश, आ रहा है भयंकर तूफान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि बंगाल की दक्षिण-पश्चिमी खाड़ी के ऊपर दबाव का क्षेत्र तेज हो गया है। यह पिछले छह घंटों में 9 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। 1 दिसंबर को रात 11 बजे तक अवसाद के केंद्र की पहचान पुडुचेरी से लगभग 630 किमी पूर्व-दक्षिणपूर्व में की गई थी। आईएमडी की नई चेतावनी के मुताबिक, इस प्रणाली के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने की उम्मीद है। यह अगले 12 घंटों के भीतर एक गहरे दबाव में बदल जाएगा और 3 दिसंबर तक बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान माइचौंग में विकसित हो जाएगा।

यह चक्रवात 4 दिसंबर की सुबह तक दक्षिण आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों के आसपास पहुंच जाएगा। इसके लगभग उत्तर की ओर बढ़ने का अनुमान है। 5 दिसंबर की दोपहर तक नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच भारी बारिश का अनुमान है। चक्रवाती तूफान की अधिकतम गति 80-90 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की उम्मीद है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को 12 जिला प्रशासन प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अगले 2-3 दिनों में तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में भारी बारिश की संभावना पर चर्चा की गई। स्टालिन ने उचित

दिशानिर्देश जारी किए और सभी संबंधित अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया है। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात माइचौंक के लिए राज्य सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की तैयारियों की समीक्षा की।

बारिश का पूर्वानुमान

बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर मंडरा रहे चक्रवाती तूफान के कारण दक्षिणी और पूर्वी भारत के कई क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वानुमान में 2 दिसंबर को उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 3 दिसंबर से वर्षा की तीव्रता बढ़ने वाली है। अधिकांश स्थानों पर बारिश होगी और कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होगी। 3 दिसंबर को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है। 4 दिसंबर को अधिकांश स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है। 5 दिसंबर को भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके बाद वर्षा में कमी आएगी।

ओडिशा में 4 दिसंबर को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ ही दक्षिण तटीय और निकटवर्ती दक्षिण आंतरिक ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 5 दिसंबर को इसी क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है।

दुरूपयोग से निपटने व्हाट्सएप ने भारत में 75 लाख से अधिक अकाउंट्स किए बंद

नई दिल्ली । मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप ने नए आईटी नियम 2021 के अनुपालन में 75 लाख वाटसअप एकाउंट्स को बंद कर दिया है। यह प्रतिबंध अक्टूबर महीने में लगाया। मिली जानकारी के अनुसार 1 से 31 अक्टूबर के बीच कंपनी ने 7,548,000 अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाया। व्हाट्सएप ने अपनी मासिक अनुपालन रिपोर्ट में कहा कि यूजर्स की किसी भी रिपोर्ट से पहले, इनमें से लगभग 1,919,000 अकाउंट्स पर सक्रिय रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म, जिसके देश में 500 मिलियन से अधिक यूजर्स हैं, को अक्टूबर में देश में रिकॉर्ड 9,063 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं, और कार्रवाई के रिकॉर्ड 12 थे। अकाउंट्स एक्शन उन रिपोर्टों को दर्शाता है जहां व्हाट्सएप ने रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की और कार्रवाई करने का मतलब या तो किसी अकाउंट पर प्रतिबंध लगाना है या पहले से प्रतिबंधित अकाउंट को बहाल करना है। कंपनी के अनुसार इस यूजर-सेफ्टी रिपोर्ट में प्राप्त यूजर शिकायतों और व्हाट्सएप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ हमारे प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए व्हाट्सएप की अपनी निवारक कार्रवाइयों का विवरण शामिल है। लाखों भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स को सशक्त बनाने के लिए केंद्र ने हाल ही में शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) लॉन्च की है, जो कंटेंट और अन्य मुद्दों के संबंध में उनकी चिंताओं को देखती है। नवगठित पैनल, बिग टेक कंपनियों पर लगाम लगाने के लिए देश के डिजिटल कानूनों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के फैसलों के खिलाफ यूजर्स की अपील पर गौर करेगा। व्हाट्सएप ने खुलासा किया कि हम दुरुपयोग को रोकने और मुकाबला करने में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सर्विस में उद्योग के अग्रणी हैं। हमारे सेफ्टी फीचर्स और नियंत्रणों के अलावा, हम इन प्रयासों की देखरेख के लिए इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन, ऑनलाइन सेफ्टी और प्रौद्योगिकी विकास में विशेषज्ञों की एक टीम को रखते हैं।

ज्ञानवापी की सर्वेक्षण रिपोर्ट 11 दिसंबर तक सौंपने का आदेश

वाराणसी । उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जिला अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण पर अपनी रिपोर्ट 11 दिसंबर तक सौंपने को कहा है। गौरतलब है कि एएसआई ने जिला अदालत में एक आवेदन दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय की मांग की थी। आवेदन को आंशिक रूप से स्वीकार कर जिला न्यायाधीश डॉ.अजय कृष्ण विश्वेशा ने एएसआई को 11 दिसंबर 2023 को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। ज्ञानवापी मस्जिद के रोजमर्रा के मामलों की देखरेख करने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति ने एएसआई द्वारा रिपोर्ट सौंपने के लिये अतिरिक्त समय देने पर आपत्ति जाहिर की थी। अदालत ने कहा, एएसआई को अदालत में रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 10 दिन का अतिरिक्त समय देना उचित लगता है। अदालत को उम्मीद है कि दिए गए समय के भीतर एएसआई निश्चित रूप से रिपोर्ट दाखिल कर आगे समय की मांग नहीं करेगी।

प्रदूषण से दिल्ली वासियों का हाल हुआ बेहाल

-विजिबिलिटी लो होने से डायवर्ट हुई फ्लाइट्स

नई दिल्ली। ठंड और बारिश से अनुमान था कि दिल्ली में हवा की क्वालिटी में सुधार होगा, लेकिन ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। दिल्ली-एनसीआर के ज्यादातर इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब से खराबतर श्रेणी में दर्ज किया गया है। लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली आने वाली फ्लाट्स को डायवर्ट करना पड़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक श्रेणी बहुत खराब में दर्ज की गई है। दिल्ली की हवा में स्मॉग की मात्रा अधिक होने के कारण लो विजिबिलिटी है। इसके चलते दिल्ली आनेवाली कुछ फ्लाइट्स को जयपुर और अहमदाबाद की तरफ डायवर्ट कर दिया गया है। जानकारी अनुसार लो विजिबिलिटी के चलते दिल्ली आनेवाली विस्तारा की तीन फ्लाइट्स को जयपुर और अहमदाबाद डायवर्ट किया गया। इनमें से दो फ्लाइट्स को जयपुर जबकि अहमदाबाद से दिल्ली आ रही फ्लाइट को वापस अहमदाबाद के लिए डायवर्ट किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शनिवार सुबह 6 बजे के करीब आनंदविहार इलाके में एक्यूआई 388 दर्ज किया गया था। अशोक विहार में एक्यूआई 386 दर्ज किया गया। इसके बाद सुबह 11 बजे के करीब आईटीआई जहांगीरपुरी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 322 दर्ज की गई है। ओखला इलाके में एक्यूआई 295 दर्ज किया गया है। इसी तरह पंजाबी बाग में 276, मुंडका में 272, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम क्षेत्र में 271, आनंदविहार व आस-पास के क्षेत्र में 240, मंदिर मार्ग में 233 और जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के आस-पास क्षेत्र में एक्यूआई 217 दर्ज किया गया था।

जातिगत जनगणना से मिलेगा पिछड़े वर्ग को उनका हक : लालू प्रसाद यादव

छपरा । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि जातिगत जनगणना से पिछड़े वर्ग को और अधिक सुविधा मिलेगी। सारण जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान लालू ने कहा कि बिहार में जातिगत जनगणना उपरांत पिछड़े वर्ग को और अधिक सुविधा उपलब्ध होगी। लालू ने इस दौरान पूरे देश में जातिगत जनगणना करवाकर पिछड़े वर्ग को उनका हक तथा अधिकार दिलाने के लिए पार्टी द्वारा किए जा रहे कार्य का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।उन्होंने कहा कि विकास के लिए जिले में रेल चक्का कारखाना, डीजल इंजन कारखाना की स्थापना की गई। राजद सुप्रीमो ने सारण के बालू व्यवसाईयों की समस्या पर अपनी बात कहते हुए कहा कि वे राज्य सरकार से मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि सोनपुर-दीघा रेल-सह-सड़क पुल निर्माण के बाद इस क्षेत्र में विकास से लोगों को लाभ मिला है। बता दें कि कार्यक्रम में कला और संस्कृति मंत्री जितेन्द्र कुमार राय, श्रम संसाधन मंत्री सुरेंद्र राम, राजद के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी, जदयू विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, बख्तियारपुर विधायक अनिरुद्ध यादव सहित राजद के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में जब चाहें चुनाव करा लें हम पूरी तरह तैयार : उपराज्यपाल सिन्हा

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि जब चाहें जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव करा लें। इसके लिए यहां का प्रशासन ने पूरी तरह तैयार है। सिन्हा के इस बयान के बाद यहां विधानसभा का चुनाव कब होंगे, इसको लेकर तमाम तरह की अटकलों को विराम लग गया है। चुनावों के बारे में गलत सूचना फैलाने पर कुछ राजनीतिक दलों पर निशाना साधते हुए सिन्हा ने कहा कि वह विधानसभा चुनावों को सफलतापूर्वक कराने के बाद ही उपराज्यपाल का पद छोड़ेंगे। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव में पहले ही देरी हो चुकी है, और आखिरी बार 2014 में चुनाव हुए थे। जम्मू में एक कार्यक्रम में सिन्हा ने कहा, ''चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर से इंतजाम के बारे में जो भी जानकारी मांगी थी, वह उसे सौंप दी गई है। मैं इस मंच से बताना चाहता हूं कि जब भी आयोग हमें कहेगा, जम्मू कश्मीर प्रशासन चुनाव कराने के लिए तैयार है।''उन्होंने कहा कि जब वह यहां आए थे, तब यहां पर बड़ी कमियां थीं, कई तरह की बाधाएं थी, उन्होंने उन बाधाओं को दूर विकास के लिए रास्ते बनाए। इससे जम्मू-कश्मीर में हालात बेहतर हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में धारा 370 हटने के बाद पिछले चार सालों में अंधेरे से निकलकर उज्वल भविष्य की ओर राज्य आगे बढ़ा है। जब कोई बीज डालते हैं और वह वृक्ष बनता है तो खुशी होती है। हर नागरिक की आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही सिन्हा ने यह भी बता दिया कि वे अपना पद कब छोड़ेंगे। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि चुनाव आयोग जब भी विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश देगा, उनका प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में इसे कराने के लिए तैयार है। इससे पहले उपराज्यपाल ने हाल ही में साफ किया था कि जम्मू-कश्मीर में नगरपालिका चुनाव जल्द कराए जाने की संभावना नहीं है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा था कि शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव परिसीमन के साथ-साथ प्रक्रिया के बाद होंगे। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सीटें पूरी की गईं।

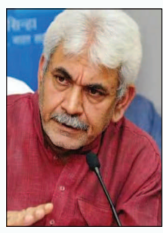

ईडी अधिकारी की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने साधा मोदी सरकार पर निशाना,

जयराम रमेश ने बताया भाजपा का सुपरस्टार प्रचारक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने तमिलनाडु में एक स्थानीय डॉक्टर से कथित तौर पर 20 लाख रुपये की उगाही करने के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय के एक अधिकारी की गिरफ्तारी पर शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा के 'सुपरस्टार प्रचारक' एक बार फिर 'लड़खड़ा' गए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता, जयराम रमेश ने नरेंद्र मोदी सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और 'उन्हें राजनीतिक उपकरण में बदलने' का आरोप लगाया।

जयराम रमेश का ट्वीट

जयराम रमेश ने इसको लेकर एक एक्स पोस्ट किया। उन्होंने इसमें लिखा कि भाजपा के सुपरस्टार प्रचारकों में से एक इस बार तमिलनाडु में मुसीबत में हैं। कुछ हफ्ते पहले राजस्थान में एक ईडी अधिकारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत के साथ पकड़ा गया था। अब ईडीके एक और अधिकारी को जबरन वसूली और रिश्वतखोरी के मामले में 20 लाख रुपए के साथ रंगे हाथों गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने विपक्ष और सरकार से सवाल करने वालों को परेशान करने और डराने-धमकाने के लिए ईडी/सीबीआई/आईटी को राजनीतिक औज़ार में बदलकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। अब इनके अधिकारी अपने स्तर पर छोटे-छोटे वसूली रैकेट चला रहे हैं।

अधिकारी हुआ गिरफ्तार

तमिलनाडु के डिंडीगुल में एक सरकारी कर्मचारी से कथित तौर पर 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक द्वारा गिरफ्तार किया गया था। अंकित तिवारी के रूप में पहचाने गए अधिकारी को 15 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद, ईडी के मदुरै कार्यालय में डिंडीगुल जिला सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी (डीवीएसी) द्वारा तलाशी ली गई। अंकित तिवारी के आवास की भी अधिकारियों ने तलाशी ली।

राजनीतिक तूफान

अंकित तिवारी की गिरफ्तारी ने राज्य में राजनीतिक तूफान ला दिया है। डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने आज एजेंसी को 'जबरन वसूली विभाग' कहा और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर 'राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों' को निशाना बनाने के लिए इसका दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी ने प्रवर्तन निदेशालय का बचाव करते हुए कहा कि तिवारी के कृत्य के लिए पूरी एजेंसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मदुरै में तैनात 2016 बैच के अधिकारी अंकित तिवारी को शुक्रवार को राज्य के डिंडीगुल जिले में एक डॉक्टर से कथित तौर पर रू.20 लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था।

अवैध मदरसे व मस्जिद देश की सुरक्षा के लिए खतरा

पटना (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार में अवैध मदरसों और मस्जिदों की भरमार है जो देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने इस स्थिति के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि दोनों तुष्टीकरण में लगे हैं। नीतीश कुमार के जद-यू व लालू प्रसाद के राजद सत्तारूढ़ महागठबंधन के मुख्य घटक दल हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि लगता है कि बिहार में अवैध मदरसों और मस्जिदों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कहा कि नेपाल और बंगलादेश की सीमा से सटे इलाकों में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। उन्होंने कहा कि वैसे तो राज्य में मुसलमानों की आबादी लगभग 18 प्रतिशत है, लेकिन इन क्षेत्रों में उनकी संख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि अगर चीजों को अनियंत्रित छोड़ दिया गया तो आने वाले 20 वर्षों में बिहार के लोगों के धर्म और धन को खतरा हो सकता है।

महाराणा प्रताप की यह भव्य मूर्ति पूर्वांचल की शान व जनपद की पहचान होगी: ओमप्रकाश सिंह

संवाददाता राजेश मौर्या, जौनपुर। जौनपुर में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा लग रही है जिस क्रम में आज पूर्व गृहराज्य मंत्री व भाजपा उपाध्यक्ष महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह ने मूर्ति स्थल पर पहुँच कर निरीक्षण किया।

आप सभी को बता दू की राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थापित होने जा रही महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति का मुख्यमंत्री द्वारा अनावरण किया जा सकता है और इसी के मद्देनजर पूर्व गृहराज्य मंत्री व भाजपा उपाध्यक्ष महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह ने निरीक्षण किया । इस मौके पर उपस्थित राजपूत सेवा समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह से मूर्ति की भव्यता और पार्क के सुंदरीकरण पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मूर्ति निर्माण में जो सहायता की जरूरत पड़ेगी उसके लिए मुझसे जो भी मदद की जरूरत होगी मै तैयार हूं।

'महाराणा प्रताप की यह भव्य मूर्ति पूर्वांचल की शान व जनपद की पहचान होगी'

बातचीत के दौरान कृपाशंकर सिंह ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की यह भव्य मूर्ति पूर्वांचल की शान व जनपद की पहचान होगी। समिति के सदस्यों के ऐतिहासिक कार्य की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्क के सुंदरीकरण में कही से भी कोई कमी नहीं रहेगी।

13 फीट ऊंची होगी महाराणा प्रताप की मूर्ति

ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि चेतक घोड़े पर सवार महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति 13 फीट ऊंची होगी, जो करीब 9 फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित हो गयी है। मौके पर राजपूत सेवा समिति के सदस्य रत्नाकर सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, अजीत सिंह, शशि प्रताप सिंह, सिद्धार्थ सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

रावल ब्राह्मण बारह शासन द्वारा पालडी आर में बडे धूमधाम से समुह विवाह का भव्य आयोजन हुआ

रिपोटर चंद्रकांत छोगालाल रावल । रावल ब्राह्मण बारह शासन सेवा संस्थान सारणेश्वरजी के बैनरतले सम्पूर्ण क्षेत्र एवं सर्व गोत्र की बनी आध्यात्मिक समुह लग्न कमेटी द्वारा दिनांक 29-11-2023 , बुधवार, मार्गशीर्ष द्वितीया को प्रथम शासन पालड़ी आर में आयोजित हुआ जिसमें 22 जोड़े पाणिग्रहण संस्कार से संकल्पित होकर अपने दांपत्य जीवन की शुरुआत आज से करेंगे।

रावल ब्राह्मण समाज में यह लगभग एकादशवा समुह लग्न आयोजित हो रहा है, इसमें कुल 31 जोड़े पंजीकृत हुए थे परंतु कारण विशेष से 9 जोड़ों का विवाह स्थगित होने से नहीं जुड़ पाए। समुह विवाह में दो सौ पचास फीट लंबा एवं नब्बे फीट चौड़ा डूम मंड़प वाटरप्रूफ बना हुआ है। दुल्हा-दुल्हन के लिए अलग से मंड़प बने हुए हैं। सिद्धपुर से पंडित बुलाए गए हैं जो पूर्ण विधि-विधान से सप्तपदी फेरे मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न करवाया गया , इसी कारण से इस समुह लग्न को आध्यात्मिक समुह लग्न का नामकरण किया गया है इस कार्य को सफल बनाने में सम्पूर्ण क्षेत्रों व सम्पूर्ण समाज गोत्रों की सहभागिता हैं, सभी ने दिल खोलकर सहयोग प्रदान किया है तथा सम्पूर्ण क्षेत्रों के वर-कन्या सम्मिलित हैं। सम्पूर्ण बारह शासन व सोलह परगनों को आमंत्रण पत्रिका भेजकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करने का आह्वान किया है इस समुह लग्न में सम्पन्न व प्रतिष्ठित परिवारों के बेटे-बेटियां सम्मिलित हो रहे हैं। समाज में अधिकांशत: यह गलत धारणा बनी हुई है कि राही आय वर्ग वाले ही इसमें भाग लिया है । समुह विवाह कि अगले दिन रात को ढ़ोल नगाड़े के साथ बड़े ही धूमधाम से बंदोली पालडी वाराही माताजी मंदिर से सुन्धामाताजी के मंदिर तक बंदोली निकाली गई इस बंदोली में हजारों रावल ब्राह्मण समाज के भाई बहन एवम माताएं उपस्थित रहकर बंदोली की बढ़ाई शोभा सुबह 22 वर-कन्या की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शादी कराई गई बादमें शादी में वर-कन्या को शुभ आशीर्वाद देने आएं हुवे दश हजार से भी अधिक भाई बंधु माताएं बहनो ने शुभ आशीर्वाद देने के बाद महा भोजन प्रसादी ग्रहण कि यह महा भोजन प्रसादी करीबन दस से अधिक लोगों ने ली हमारे संवाददाता चंद्रकांत सी रावल ब्राह्मण परिवार रोहीडा ने जब समुह विवाह सुंदर आयोजन करनेवाले रावल ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी व यह सेवा दे रहे स्वयंसेवक व समुह विवाह में वर-कन्या को शुभ आशीर्वाद देने आएं रावल ब्राह्मण समाज भाई व बहन एवम वडीलोने कुछ इस तरह दी समुह विवाह की जानकारी के साथ प्रतिक्रिया।

अपने बच्चों को पाकिस्तान ले जाना चाहती हैं अंजू

-दोनों देशों के कानून में कई पेचीदियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने मित्र नसरुल्ल से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने और बाद में उससे शादी करने के कारण सुर्खियों में आई भारतीय महिला अंजू इस हफ्ते की शुरुआत में देश लौट आई। अंजू अब इस्लाम अपनाने के बाद फातिमा नाम से जानी जाती है। 29 नवंबर को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने की अनुमति देने से पहले पंजाब पुलिस की खुफिया इकाई ने अंजू से पूछताछ की। अंजू ने अधिकारियों को बताया कि उसने इस्लाम धर्म अपना कर नसरुल्लाह से शादी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक हालांकि वह अपनी शादी का कोई प्रमाण नहीं दे सकी और उसके पास अपनी शादी से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं था।

सबसे बड़ी बात है कि अंजू ने भारत में रहने वाले अपने पहले पति अरविंद को तलाक देने के बाद अपनी पहली शादी से हुए बच्चों को पाकिस्तान ले जाने की अपनी योजना के बारे में भी बात की। जाहिर है कानूनी तौर पर तलाक के बाद ही अंजू को अपने बच्चों की कस्टडी मिल सकती है। अंजू और उसके पहले पति के बीच बच्चों की कस्टडी की लड़ाई में कानूनी मुद्दे शामिल हैं। इस मामले पर फैसला करते वक्त कई बातों पर विचार करना होगा, जिसमें बच्चों के अभ्यस्त निवास, राष्ट्रीयता, और तलाक या अलगाव की कार्यवाही कहां शुरू की गई थी, जैसे पेचीदे मुद्दे शामिल है। दोनों देशों में सांस्कृतिक मानदंड और धार्मिक प्रथाएं कस्टडी संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं। सांस्कृतिक कारकों पर विचार करते समय न्यायालय बच्चे के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रख सकते हैं। दोनों पक्षों को दोनों देशों में कानूनी प्रणालियों की जटिलताओं से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार कानून से परिचित कानूनी विशेषज्ञों की जरूरत हो सकती है। कानूनी प्रणालियों और देशों के बीच सहयोग में अंतर के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार कस्टडी के आदेशों को लागू करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

निज्जर मामले में फिर कनाडा की किरकिरी, भारत की जांच टीम को नहीं दे रहा वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा ने भारत पर आरोप लगाए थे। लंबा समय बीतने के बाद भी कनाडा इस घटना के संबंध में भारत को कोई सबूत नहीं दे पाया है। जबकि भारत बार बार कनाडा से सबूत मांगता रहा है। निज्जर की हत्या के मामले में भारत सरकार ने कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों और एनएसए के अन्य अधिकारियों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया था, लेकिन जब भारत अपने अधिकारियों को कनाडा भेजने का निर्णय किया तब उसने भारतीय टीमों को वीजा देने से इनकार कर दिया गया। हुआ ये कि भारत सरकार यह पता करने के लिए एक टीम को कनाडा भेजना चाह रही थी कि निज्जर की हत्या पर भारत के खिलाफ कनाडाई लोगों की क्या राय है? भारतीय सरकार का कहना है कि कनाडा को हमारी टीमों को आने की अनुमति देनी चाहिए और दिखाना चाहिए कि उनके पास हमारे खिलाफ क्या सबूत है, लेकिन वे हमारे कई बार के अनुरोधों के बावजूद वीजा जारी नहीं किया। भारत के एनएसए डोभाल और उनके कनाडाई समकक्ष ने आतंकवाद मुद्दे पर चर्चा की। डोभाल ने कनाडा में बैठे उग्रवियों और आतंकवादियों के बारे में स्पष्ट जानकारी दी। डोभाल ने अपने समकक्ष को भारत के विभिन्न एजेंसियों और राज्य के पुलिस के वांटेडों की सूची और एलआर की भी सूची दी थी। भारत के एनएसए डोभाल का कहना है कि भारत समय-समय पर कनाडा के साथ समय-समय पर खुफिया जानकारी साझा की और वांटेडों के ठिकानों की जानकारी भी उपलब्ध कराई।' उधर कनाडा के एनएसए ने भारत पर आतंकी निज्जर की हत्या का आरोप लगाया था, हालांकि डोभाल ने कहा कि अगर उसके हत्या में भारत का हाथ है तो एफआईआर या कोई स्पष्ट सबूत जारी करे। डोभाल ने कहा कि अगर हमारे तरफ से कोई दोषी निकला तो कड़ी कारवाई करेंगे, लेकिन कनाडाई कभी कोई सबूत पेश नहीं कर सके. भारत ने कहा कि कैनेडियन ये सब सिर्फ फेक नैरेटिव क्रिएट करने के लिए कर रहे हैं। कनाडा कभी भी आतंकी मामलों में जांच में कभी सहयोग क्यों नहीं किया, जहां कनाडा से हमले हुए थे। बताया जा रहा है कि वीडियो और ऑडियो सबूत जानने के बावजूद एक भी गिरफ्तारी नहीं हुई। कनाडा की धरती से आए दिन हिंदुओं को धमकियां मिलती रहती हैं, लेकिन वे पुन्नू को गिरफ्तार नहीं करते..ऐसा क्यों? भारत ने ये भी कहा कि कनाडा में आतंकवादी समूहों को संरक्षण देने का ही परिणाम है कि निज्जर की मौत गैंगवार में गई थी।

पाकिस्तान से अयोध्या पहुंची रामलला की विशेष पोशाक,प्राण प्रतिष्ठा के दिन पहनेंगे प्रभू श्रीराम

अयोध्या(ईएमएस)। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा अगले माह होना है। इसकी तैयारी बहुत जोरों से चल रही है। जरुरत के मुताबिक अलग अलग जगह से सामग्री अयोध्या पहुंच रही है। पाकिस्तान से भगवान श्रीराम के वस्त्र भी अयोध्या पहुंचे हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत से ये पोशाक सिंधियों ने भेजी है जिसे प्रभु राम धारण करेंगे। अयोध्या में 22 जनवरी को मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम रखा गया है। बता दें कि 22 जनवरी को मंदिर में रामलला और अन्य देवी देवताओं के प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम रखा गया है। ऐसे में रामलला की पोशाक पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अयोध्या पहुंची है। रामलला की पोशाक अयोध्या के सिंधी कॉलोनी स्थित रामनगर पहुंची। रामनगर के देवालय मंदिर में रामलला के पोशाक की पूजा की गई। 21 पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार वस्त्र को शुद्ध करने के लिए मंत्रोच्चार के साथ आरती की गई। रविवार को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से सिंधी समुदाय के सैकड़ों लोग रामलला की पोशाक को राम लला के मुख्य अर्चक को सौंपेंगे। अयोध्या में बने रहे श्री राम जन्मभूमि मंदिर की सुरक्षा बेहद कड़ी होगी। इसके लिए राष्ट्रपति और संसद भवन के तर्ज सुरक्षा व्यवस्था बनाई जा रही है। देश की अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियों के साथ सीआईएसएफ ने इसके लिए एक सुरक्षा प्लान तैयार किया है, जिसमें फिजिकल सिक्योरिटी के बजाय आधुनिक सुरक्षा उपकरणों और तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

चंक्रवाती तूफान मिचौंग बरपा सकता है कहर, एनडीआरएफ की 18 टीमें तैनात

-तेज हवाओं के साथ सोमवार को मचाएगा उत्पात, आईएमडी ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान मिचौंग से सावधानी बरतने आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है। यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा है, जो कि सोमवार सुबह सक्रिय होगा। इसके चेन्नई से निकलकर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, पूर्वानुमान से पता चलता है कि इस तूफान के चलते इस पूरे इलाके में 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इस तूफान के मद्देनजर तिरुवल्लुर जिले में सोमवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि यहां 21 सेंटीमीटर या उससे अधिक भारी बारिश हो सकती है। इस बीच अधिकारियों ने एडवायजरी करते हुए चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यनम क्षेत्रों के सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। वहीं पुडुचेरी और इसके बाहरी इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जब?कि कल मॉनसून में कुछ कमी देखी गई।

अलर्ट जारी करते हुए मौसम विभाग ने कहा कि यह सिस्टम 2 दिसंबर को गहरे दबाव में बदल सकता है और अगले दिन चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। चक्रवात मिचौंग के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इस तूफान के चलते चेन्नई में अगले 48 घंटों तक गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। प्रशासन ने 4 दिसंबर को पुडुचेरी, कराईकल और यनम क्षेत्रों के सभी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है।

वहीं 5 दिसंबर को उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

इधर एनडीआरएफ ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पुडुचेरी को 18 टीमें स्टैंडबाय की हैं और 10 अतिरिक्त टीमों को भी तैयार रखा है। इस तूफान की वजह से ओडिशा के कोरापुट, रायगड़ा, गजपति, गंजम, पुरी और जगतसिंहपुर के कुछ इलाकों में 3 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। इसके साथ ही 5 दिसंबर को भारी से बहुत भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ ओडिशा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने अधिकारियों को चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना वाले स्थानों से लोगों को निकालने सहित एहतियाती कदम उठाने के लिए भी कहा है।

हरनेक सिंह की हत्या प्रयास मामले में 3 खालिस्तानी चरमपंथी दोषी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड की राजधानी ऑकलैंड में लोकप्रिय रेडियो होस्ट हरनेक सिंह की हत्या के प्रयास के लिए 3 खालिस्तान चरमपंथियों को सजा सुनाई गई है। हरनेक खालिस्तान की विचारधारा के खिलाफ मुखर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया कि 27 साल के सर्वजीत सिद्धू ने हत्या के प्रयास का जुर्म कबूल कर लिया, वहीं 44 साल के सुखप्रीत सिंह को सहायक होने का दोषी पाया गया। इसके अलावा तीसरे व्यक्ति, 48 वर्षीय ऑकलैंड निवासी, जिसका नाम जाहिर नहीं किया गया, ने अलगाववादी आंदोलन के मुखर विरोधी रहे हरनेक सिंह पर हमले की योजना बनाई थी। यह हमला 23 दिसंबर, 2020 को हुआ था, जब हरनेक पर धार्मिक चरमपंथियों के एक समूह ने घात लगाकर हमला कर दिया था। उन्हें 40 से अधिक चाकू के घाव लगे और ठीक होने के लिए 350 से अधिक टांके और कई सर्जरी की आवश्यकता पड़ी। मामले की सुनवाई के दौरान, जस्टिस मार्क वूलफोर्ड ने सामुदायिक सुरक्षा और धार्मिक कट्टरता के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध की आवश्यकता पर जोर दिया। जस्टिस वूलफोर्ड ने फैसले में कहा, 'यह धार्मिक कट्टरता के सभी लक्षण प्रदर्शित करता है. इस संदर्भ में सजा देने के लिए एक अलग दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बता दें कि हरनेक सिंह को नेक्की के नाम से भी जाना जाता है। तीन कारों में बैठे लोगों ने उनका पीछा किया और फिर उनकी कार रोककर हमलावरों ने उन पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी को बताया अच्छा दोस्त, सेल्फी को किया शेयर

दुबई। दुबई में आयोजित सीओपी 28 समिट में शामिल होने आईं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होने अपने एक्स एकाउंट पर पीएम मोदी के साथ सेल्फी शेयर करते हुए उन्हे एक अच्छा दोस्त बताया है। दुबई में जलवायु समिट के दौरान मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक सेल्फी ली। इस सेल्फी को उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की। मेलोनी ने लिखा,सीओपी 28 में अच्छे दोस्त'। बता दें कि यूएई में इस समय जलवायु सम्मेलन चल रहा है। इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दुनियाभर के कई नेता पहुंचे हैं। पीएम मोदी भी इसमें शामिल होने पहुंचे थे। समिट में पीएम मोदी ने सभी देशों से पर्यावरण के बारे में सोचने का आह्वान किया। कार्बन उत्सर्जन में कटौती को लेकर बात की।

पुतिन ने रूसी महिलाओं से कहा- कम से कम 8 बच्चे पैदा करें

मास्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हमें आने वाले कुछ दशकों तक रूस की आबादी बढ़ाने का लक्ष्य रखना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अब भी कई समुदाय है, जो आज भी बड़े परिवारों में यकीन रखते हैं। उनके चार, पांच या उससे भी ज्यादा बच्चे हैं। हमारी दादी, परदादी और परनानी के 7, 8 या उससे भी ज्यादा बच्चे होते थे। पुतिन ने कहा कि रूसी महिलाओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए और बड़े परिवार को आदर्श बनाना चाहिए। पुतिने ने ये बात वर्ल्ड रशियन पीपुल्स काउंसिल को संबोधित करते हुए कही। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस को बड़े परिवारों को जीवन जीने का तरीका अपनाकर ऐसी परंपराओं को जिंदा रखना होगा। उन्होंने कहा कि परिवार सिर्फ राज्य या समाज का ही आधार नहीं है, बल्कि धार्मिक लिहाज से भी सही है। उन्होंने कहा कि सभी रूसी सार्वजनिक संगठनों और पारंपरिक धर्मों को परिवारों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यही सालों-साल पुराने रूस का भविष्य होना चाहिए। बता दें कि पुतिन का ये बयान ऐसे समय पर आया है, जब यूक्रेन के साथ जंग को 20 महीने से ज्यादा हो चुके हैं। और इस जंग में रूस के लाखों सैनिक मारे जा चुके हैं. नवंबर में यूके के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि यूक्रेन के साथ जंग में रूस के तीन लाख से ज्यादा सैनिकों की मौत हो गई है।

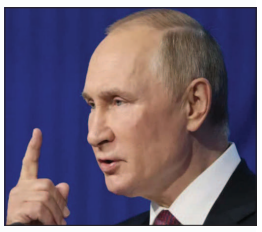

अफगानी बुर्का पहनकर भीख मांग रही पाकिस्तानी महिलाएं

इस्लामाबाद । कंगाल हो चुके पाकिस्तान की हालात और बदतर होती जा रही है, जिसका असर पाकिस्तानी महिलाओं की जीवन शैली पर भी दिख रहा है। पाकिस्तानी महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वहां अफगानी बुर्का पहनकर भीख मांग रही है। दरअसल, पाकिस्तान में यदि कोई अफगानी महिला अपने देश की वेशभूषा पहन कर भी मांगती है, तब अफगानी इलाकों में उनकी ज्यादा से ज्यादा मदद की जाती है। हालांकि ऐसा बेहद कम ही देखा गया है कि जब अफगानी महिला भीख मांगती हुई नजर आई हो। बड़ा तथ्य है कि पाकिस्तान में पंजाबी महिलाओं की स्थिति बेहद मजबूत मानी जाती थी। लेकिन अब पंजाबी पाकिस्तानी महिलाएं ही अफगानी बुर्का पहनकर भीख मांगती दिख रही हैं। मामले के मुताबिक पाकिस्तान के अफगान बाहुल्य इलाके में अफगानी बुर्का पहने हुए महिला सड़क पर भीख मांगती हुई नजर आई, जिसके बाद लोगों ने उसकी मदद करनी शुरू की। लेकिन थोड़ी देर बाद ही एक अफगानी नागरिक को शक हो गया। अफगानी नागरिक ने महिला को कहा कि वह अफगानी बुर्का पहनकर भीख ना मांगे। क्योंकि इससे उनकी औरतों की बेइज्जती होती है और अफगानी महिलाएं जल्दी भीख नहीं मांगती। अफगानी नागरिक ने कहा कि वह जान चुका है कि वह पंजाबी पाकिस्तानी महिला है, लिहाजा वह अपना सामान उठाकर वहां से चली जाए और यदि वह वास्तव में अफगानी महिला है, तब अपना बुर्का खोलकर दिखाएं कि वह अफगानी ही है। थोड़ी देर सवाल जवाब के बाद अफगानी बुर्का पहने महिला ने उस जगह को छोड़ दिया, जिससे स्पष्ट हो गया कि वह महिला वास्तव में पंजाबी पाकिस्तानी महिला थी। उक्त अफगानी नागरिक ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया, जिसका पाकिस्तानी लोगों ने बेहद बुरा माना और उसके थोड़ी देर बाद ही पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की तरफ से कुछ फोटो सोशल मीडिया पर डाले गए, जिनमें उन अफगानी नागरिकों को दिखाया गया था, जो पाकिस्तानी महिलाओं के कपड़े पहन कर पाकिस्तान में पकड़ी गई थीं।

चीनी निमोनिया : दुनियाभर में मंडराया ख़तरा

जिनेवा । चीन में इन दिनों निमोनिया से मिलती-जुलती एक नई बीमारी कहर ढा रही है। यह बहुत ही घातक बीमारी बताई जा रही है, जिसका बच्चे शिकार हो रहे हैं। इस बीमारी के लक्षण काफी हद तक निमोनिया से मिलते-जुलते हैं। बीमारी ने अभी तक हजारों बच्चों को संक्रमित कर अपनी चपेट में ले लिया है। ताजा हालातों को देखते हुए डब्ल्यूएचओ भी इसे एक बड़ा खतरा मान रही हैं। वहीं चीन के अधिकारी इसे कोई नई बीमारी मानने से मना कर रहे हैं। उनका कहना है कि कोविड के प्रतिबंधों को हटाने की वजह से ये मामले बढ़े हैं। चार साल पहले भी कोविड के शुरुआती केस सामने आने के बाद चीन ने कुछ ऐसा ही बयान दिया था। खास बात ये भी है कोविड और निमोनिया दोनों की शुरुआत का केंद्र चीन का वुहान शहर ही है। नवंबर महीने की शुरुआत से ही चीन में इस रहस्यमयी बीमारी से पैर फैलाने शुरु किए। 13 नवंबर को चीनी अधिकारियों को इसे लेकर स्पष्टीकरण देना पड़ा था।

चीनी अधिकारियों इस दौरान सिर्फ सांस लेने संबंधी बीमारी के बारे में बताया था। हालांकि 21 नवंबर को अचानक से मामलों से बढ़ोतरी देखने को मिली। ज्यादा से ज्यादा बच्चा इसे संक्रमित होने लगे, जिससे स्कूल को बंद करने तक की नौबत आ गई। इससे पहले भी कोविड के समय पर पहली बार 17 नवंबर को एक व्यक्ति में कोरोना के लक्षण मिले जि। ?जिसका नतीजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ा। लगभग 5.55 करोड़ से ज्यादा लोग इस वायरस का शिकार बने थे। वहीं निमोनिया के लगातार बढ़ते मामलों को देखतर अब डब्ल्यूएचओ ने चीन से विस्तार से इस बीमारी के बारे में जानकारी मांगी है।

इटली के ज्वालामुखी माउंट एटना का विस्फोट कैटेनिया शहर से भी दिखाई दिया।

यूक्रेन जंग के बीच रुस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए तैयार शुरु

-पुतिन फिर से चुनाव लड़ने को लेकर संशय

मॉस्को । यूक्रेन में संघर्ष के बीच, रूस में नए राष्ट्रपति के लिए मार्च 2024 में चुनाव होने है। इस दौरान फोकस इस पर है कि क्या निवर्तमान व्लादिमीर पुतिन फिर से चुनाव लड़ने को तैयार है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि क्या किसी अन्य नेता के उभरने का मतलब नीतियों में बड़ा बदलाव होगा ।कानून के तहत, रूसी राष्ट्रपति चुनाव मार्च के मध्य में होने हैं। संसद के ऊपरी सदन फेडरेशन काउंसिल द्वारा चुनाव से 90 से 100 दिन पहले लगभग 8 से 18 दिसंबर के बीच तारीख की घोषणा करने की उम्मीद है।2020 के संवैधानिक संशोधन के बाद ये पहला चुनाव होगा, जिसमें दो राष्ट्रपति पद की सीमा तय की गई है, लेकिन पूर्वव्यापी रूप से नहीं, इस तरह पुतिन को 2024 और यहां तक कि 2030 में भी चुनाव लड़ने की अनुमति मिलेगी। घोषित या संभावित उम्मीदवारों की वर्तमान श्रृंखला को देखते हुए इन चुनावों में पहले प्रावधान की संभावना बहुत कम लगती है, जब तक कि पुतिन 1999 में अपने पूर्ववर्ती बोरिस येल्तसिन के पैंतरे को दोहराते नहीं हैं। 1998 में प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पसंदीदा पसंद विक्टर चेर्नोमिर्डिन को पुनः स्थापित करने में विधायिका द्वारा विफल किए जाने पर, येल्तसिन ने अगस्त 1999 में सरकार के प्रमुख के रूप में पुतिन, जो उस समय घरेलू खुफिया एजेंसी के प्रमुख थे, को चुनने से पहले इस पद के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। येल्तसिन ने साल के अंत में अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया, जिससे पुतिन, उनके गुप्त नियोजित उत्तराधिकारी, शीर्ष पद पर पहुंच गए। पुतिन, जिन्होंने घोषणा की है कि चुनाव के औपचारिक ऐलान होने के बाद तय करूंगा, कि वह अपने पांचवें कार्यकाल के लिए चुनाव लडने वाले हैं या नहीं। हालांकि सूत्रों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव लड़ने को तैयार हैं। उनके पहले राष्ट्रपति कार्यकाल (2000-08) के अंत में उनके चुने गए उत्तराधिकारी दिमित्री मेदवेदेव थे, जिन्हें वे सोवियत काल के बाद सेंट पीटर्सबर्ग से जानते थे, जो 2000 से उनके प्रशासन से जुड़े थे, और 2008 के चुनावों से कुछ महीने पहले उन्हें उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया था।

कॉप28 में बुलंद हुई भारत की आवाज, ग्रीन केडिट की हुई पहल

-197 देशों को संबोधन में पीएम मोदी ने जीपीसी को बताया धरती की खास जरूरत

दुबई (एजेंसी)। दुनिया में जलवायु से जुड़ी वार्ता में भारत की आवाज बुलंद हुई है। कॉप28 में पीएम नरेन्द्र मोदी ने 197 देशों को एक साथ संबोधित करते हुए ग्रीन क्रेडिट की पहल की। उन्होने जीपीसी को धरती की खास जरुरत बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप28) की बैठक में प्रदूषण फैलाने वालों की निंदा करने के साथ ही विकासशील देशों की आवाज बुलंद की। गौरतलब है कि मोदी कॉप28 के उद्घाटन समारोह में भाषण देने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने जलवायु से जुड़े कदमों के लिए जनता द्वारा संचालित पद्धति का आह्वान करते हुए इस प्रमुख जलवायु वार्ता मंच पर ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम की पेशकश की। ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) लाइफ अभियान का हिस्सा है जो राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर जलवायु के लिए निर्धारित किया गया योगदान (एनडीसी) है और इसे यूएनएफसीसी के पास जमा किए गए जलवायु कार्ययोजना का हिस्सा माना जाता है। प्रधानमंत्री ने 197 सदस्य देशों को संबोधित करते हुए कहा, 'ग्लासगो में मैंने आपके सामने पर्यावरण के लिए जीवनशैली का दृष्टिकोण (लाइफ) की पेशकश की थी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के एक अध्ययन में कहा गया है कि इस तरह की पहल से हर साल दो अरब टन कार्बन उत्सर्जन की बचत की जा सकती है। आज मैं इस धरती के लिए एक और सकारात्मक पहल का आह्वान कर रहा हूं जो ग्रीन क्रेडिट है।'

प्रधानमंत्री मोदी दुबई के एक्सपो सिटी में कई देशों के प्रमुख प्रतिनिधियों और शासनाध्यक्षों को संबोधित कर रहे थे। बता दें कि इस बार दुबई कॉप28 की मेजबानी कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने भाषण के दौरान वर्ष 2028 में भारत द्वारा कॉप33 की मेजबानी करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा ?कि यह एक जन अभियान है जो कार्बन क्रेडिट की व्यावसायिक मानसिकता से परे है। इसका पूरा ध्यान लोगों की भागीदारी के जरिये कार्बन सिंक बनाने पर है और मैं आप सभी को इस पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।' बता दें कि ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम के मसौदे की घोषणा इस साल जून में राजपत्रित अधिसूचना के माध्यम से की गई थी। 13 अक्टूबर को पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि जीसीपी एक नए तरह का बाजार-आधारित तंत्र है जिसका डिजाइन लोगों, समुदायों, निजी क्षेत्र के उद्योगों और कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्वैच्छिक तरीके से पर्यावरण की सुरक्षा से जुड़े कार्य को प्रोत्साहित करने के मकसद से तैयार किया गया है।

इमरान ने जेल से चुन लिया पार्टी अध्यक्ष, पीटीआई अध्यक्ष बने बैरिस्टर गौहर अली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीटीआई नेता व मशहूर क्रिकेटर इमरान खान ने जेल में रहते हुए बैरिस्टर गौहर अली खान को पीटीआई का नया अध्यक्ष निर्विरोध रुप से चुन लिया गया है। इमरान को तहरीक-ए-इंसाफ की मान्यता बरकरार रखने के लिए नया अध्यक्ष नियुक्त करना पड़ा है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में सेना का सहयोग खत्म होते ही पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सितारे गर्दिश में आ गए थे। उन्हें अनेक मामलों में जेल भेजा जा चुका है। ऐसे में जेल में रहते हुए अब इमरान खान ने अपनी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की मान्यता बरकरार रखने के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। बैरिस्टर गौहर अली खान को पीटीआई का नया अध्यक्ष निर्विरोध रुप से चुन लिया गया है। पीटीआई मुख्य चुनाव आयुक्त नियाजुल्लाह नियाजी ने नतीजों की घोषणा करते हुए बताया है, कि आज ही पार्टी अध्यक्ष के लिए चुनाव करवाए गए थे जिसमें बैरिस्टर गोहर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने कहा कि उमर अयूब खान को केंद्रीय महासचिव चुना गया है, जबकि अली अमीन गंडापुर और डॉ. यास्मीन राशिद को क्रमशः खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब में पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष के तौर पर चुन लिया गया है। यह कदम पाकिस्तान चुनाव आयोग के निर्देशों पर किया गया है। बताया गया है कि पार्टी का केंद्रीय मतदान केंद्र पेशावर के रानो गढ़ी में मोटरवे टोल प्लाजा के समीप ही स्थापित किया गया था, जहां खैबर पख्तूनख्वा के पीठासीन अधिकारी अली जमान की मौजूदगी में चुनाव संपन्न कराए गए। इस बीच चुनाव अधिकारी जमान ने बताया कि चुनाव के लिए पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ से अधिक थी, जिन्होंने इस चुनाव में हिस्सा लिया है।

कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों को डर सुनक मतदाताओं को लुभाने में विफल हो सकते

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में अगले साल होने वाले आम चुनावों को देखकर कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ सांसदों और रणनीतिकारों को डर है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक मतदाताओं को आकर्षित करने में विफल रह सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम सुनक के करियाकोस मित्सोटाकिस के साथ बैठक को अचानक रद्द करने के फैसले से राजनीतिक लड़ाई के बीच एक बार फिर टोरी में अशांति का डर पैदा हो गया है। गुस्साए सुनक ने दावा किया कि उनके ग्रीक समकक्ष ने आश्वासन दिया था कि वह अपनी तीन दिवसीय यूके यात्रा के दौरान विवादित पार्थेनन मूर्तियों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात नहीं करने वाले हैं, लेकिन वे उस वादे से मुकर गए। किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री के लिए किसी यूरोपीय सहयोगी के साथ बैठक रद्द करना लगभग अनसुना है, जो विशेष रूप से 10 डाउनिंग स्ट्रीट में उनसे मिलने के लिए गए थे, और सुनक के फैसले से ग्रीस में आक्रोश फैल गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एथेंस में सरकारी प्रवक्ता ने निर्णय को अभूतपूर्व और अपमानजनक बताया। जानकार ने कहा, जब वह चांसलर थे तब जनता ऋषि सुनक को आधिकारिक और आश्वस्त करने वाला मानती थी, अब वे उन्हें व्याख्यान देते और कभी-कभी तड़क-भड़क वाला पाते हैं। सुनक के विचारों में इस बदलाव के संकेत पिछले साल की नेतृत्व बहस के बाद से स्पष्ट हो गए हैं, जब जनता ने लिज ट्रस के प्रति सुनक के रवैये को असभ्य पाया-तब भी जब वह कह रहे थे कि वह उनसे सहमत थे। यह देखते हुए कि वह पहले से ही सहानुभूति के सवालों पर संघर्ष कर रहे हैं, प्रधानमंत्री को जनता के साथ एक टोन की समस्या विकसित होने का खतरा है और उन्हें वापस सुरक्षित जुड़ हुए हाथों पर स्विच करने की आवश्यकता है; खुद को सर्वज्ञ समझने की बजाय।

मोसाद को मिला टॉस्क...दुनिया में कही छुपे हो हमास के नेता उन्हें मार दे

-प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दिया आदेश

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल गाजा में जारी लड़ाई के बीच अब दुनिया के विभिन्न देशों में छुपे बैठे हमास के नेताओं को चुन-चुनकर मारने की योजना बना रहा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इजरायली खुफिया एजेंसियों को हमास नेताओं की हत्या का आदेश दिया गया है, ताकि वे यहूदी देश पर 7 अक्टूबर जैसा हमला दुबारा कभी न कर सकें। हमास के ज्यादातर टॉप नेता कतर और लेबनान जैसे खाड़ी देशों में निर्वासन में रह रहे हैं। इसके बाद इन नेताओं के खात्मे के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली खुफिया एजेंसियों को गाजा के बाहर हमास के शीर्ष नेताओं की हत्या का टास्क दिया है।

दरअसल इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद अपने इसतरह के गुप्त आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए जाना जाता है। 1970 के दशक में भी मोसाद म्यूनिख ओलंपिक नरसंहार में शामिल 'फिलिस्तीनी चरमपंथियों' की हत्या का अभियान चलाया था, जो करीब एक साल तक चला। वहीं मोसाद पर हाल के वर्षों में फिलिस्तीनी चरमपंथियों और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की दूसरे देशों में हत्या कराने का इल्जाम भी लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ लोगों ने 7 अक्टूबर के हमले के बाद इजरायल से हमास नेता खालिद मेशाल और अन्य की तुरंत हत्या करने का आह्वान किया है। नेतन्याहू ने भी नवंबर के अंत में अपने एक भाषण में विदेश में छुपे हमास नेताओं की हत्या के लिए इजरायल की योजनाओं का संकेत दिया था।

नेतन्याहू ने कहा था कि उन्होंने खुफिया एजेंसी मोसाद को गाजा के बाहर अन्य देशों में रहने वाले हमास के नेतृत्व का पता लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, मैंने मोसाद को हमास के प्रमुखों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है, चाहे वे कहीं भी हों। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा खुलेआम ऐसा कहने से कई अधिकारी भड़क गए थे, क्योंकि वह अपने पूरे मिशन को गुप्त रखना चाहते थे। हालांकि, ऐसी किसी मुहिम से कतर या तुर्की की धरती पर ऐसा करने से बंधकों को मुक्त कराने के राजनयिक प्रयासों में रोड़ा पड़ सकता था और यही सोचकर को इस प्लान को टाल दिया गया था।

युद्ध के मैदान में उतरी एआई ने बरपाया हमास पर कहर

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में एआई का भरपूर उपयोग इजरायल ने किया है। इस तकनीक से सटीक निशाना लगता है और लक्षित स्थान पर हमला करना आसान होता है। शायद यही वजह है कि इजरायल हमास पर जमकर कहर बरपाने में कामयाब हो रहा है। गाजा पट्टी में इजरायल और फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास के बीच 6 दिनों के सीजफायर खत्म होने के बाद फिर से हमले शुरू हो गए हैं। दावा किया जा रहा है कि गाजा में हुए इजरायली हवाई हमलों में ही अब तक 14 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं। अब इसके साथ ही यह भी पता चला है कि चरमबंदी संगठन को खत्म करने के लिए 7 अक्टूबर को इजरायल में घुसकर हमास के क्रूर हमले के बाद इजरायल ने पूरे गाजा पट्टी क्षेत्र से आतंकवाद के खात्मे की कसम खाई है।

आईडीएफ ने 2 नवंबर के अपने आर्टिकल में दावा किया कि 27 दिनों की लड़ाई में 12 हजार से ज्यादा टारगेट को हिट किया गया। यानी एक दिन में करीब 444 टारगेट हिट हुए। टारगेट में इजाफा एआई से मिले डेटा की वजह से है। इससे पहले इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और मैंट्रिक्स डिफेंस ने ऑटोमेटेड-टारगेट डिटेक्शन सिस्टम डेवलप करने के लिए समझौता किया था। राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स ने स्पाइस बम और सर्विलांस के लिए इस्तेमाल होने वाली दूसरी टेक्नोलॉजी में एआई को शामिल किया है। 972 मैग और लोकल कॉल की रिपोर्ट में कहा गया है कि गॉस्पेल ऑटोमेटेड रेट से टारगेट बना सकता है। यह एआई सिस्टम अनिवार्य रूप से हमलावरों के पूरे ग्रुप को एक साथ टारगेट कर सकता है। ब्लूमबर्ग ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि फायर फैक्ट्री म्यूनिशन लोड (युद्ध सामग्री भार) का कैल्कुलेशन कर सकते हैं. गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टारगेट डिविजन ने आईडीएफ को 30,हजार से 40 हजार संदिग्ध हमलावरों के बीच एक डेटाबेस बनाने में मदद की है। इन्हें निशाना बनाया गया।

आईडीएफ के प्रमुख के रूप में काम कर चुके अवीव कोचवी ने कहा कि टारगेट डिविजन एआई की क्षमताओं से लैस है। इसमें सैकड़ों अधिकारी और सैनिक शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक इसरायल इस हमले के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी के खास टूल्स का इस्तेमाल कर रहा है। इनका नाम है गॉस्पेल अलकेमिस्ट और डेथ ऑफ विजडम। ये सिस्टम खास तौर पर तैयार किए गए हैं जो टारगेट को लॉक कर खत्म करने के लिए गाइडेड कमान से लैस हैं! गाजा में हमास के साथ जंग में इन एआई टूल्स का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है। 2021 में इजरायल ने गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने जवाबी कार्रवाई में ऑपरेशन गार्डियंस ऑफ द वॉल शुरू किया था। 11 दिनों की लड़ाई को पहले एआई युद्ध के नाम से भी जाना जाता है। टूल्स से लिए गए डेटा का इस्तेमाल गाजा में टारगेट को हिट करने के लिए किया गया था। गॉस्पेल जैसे सिस्टम का इस्तेमाल ऑटोमेटेड टूल्स को तेज रफ्तार से टारगेट को हिट करने के लिए किया जाता है। जरूरत के हिसाब से सटीक और हाई-क्वालिटी वाले इंटेलिजेंस सिस्टम में सुधार करके इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

गॉस्पेल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अपडेटेड इंटेलिजेंस के रैपिड ऑटोमेटेड एक्सट्रैक्शन से रिसर्चर के लिए एक रिकॉमेंडेशन तैयार करता है। इसका काम सिस्टम के रिकॉमेंडेशन और किसी व्यक्ति द्वारा की गई पहचान को पूरा मिलाना है। यानी यह खुफिया

जानकारी की पुष्टि और कार्रवाई में मददगार है। 2021 के संघर्ष में ह्यूमन इंटेलिजेंस, विजुअल इंटेलिजेंस और सिग्नल इंटेलिजेंस से डेटा लिए गए थे। सटीक हमलों के ऑपरेशन के लिए डेटा को सिस्टम में फीड किया जाता है। सैटेलाइट, ग्राउंड इंटेलिजेंस इंफोर्मेशन और सर्विलांस से मिले डेटा सभी सिस्टम में इंस्टॉल हैं। ये हमले को अचूक बनाते हैं।

संपादकीय

चिंता बनाम चिन्तन

आधुनिक जीवन के तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्रतिस्पर्धा और - और में संपन्नता भरा जीवन जीने की चाह आदि इन बढ़ती इच्छाओं की वजह से मनुष्य चिंता ग्रस्त होने लगता है ।वह जो चाहता है उसे प्राप्त नहीं होता तो वह चिंतित होने लगता है और कई मनोरोग और शारीरिक परेशानियों से घिर जाता है। कहते हैं चिता मानव को मृत होने के बाद जलाती है पर चिंता मनुष्य को जीवित रहने तक जलाती रहती है। जबकि चिंतन स्वस्थ जीवन देता है । सकारात्मक सोच व चिंतन से जीवन में आगे बढ़ सकते हैं । किसी भी परेशानी को लेकर चिंता करने के बजाए उसके हल करने के बारे में सोचना ही चिंतन है ।चिंतन से बुद्धि का विकास होता है ।चिंतन के द्वारा हम बड़ी से बड़ी परेशानियों के बीच छुपे हुए अवसर और अच्छाई को देख सकते हैं।चिंता नहीं-चिंतन करो ,व्यथा नहीं-व्यवस्था करों क्योंकि कोई भी समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित है। हम चिंतन करके समस्या का समाधान निकालने की जरूरत होती है,चिंता तो और ज्यादा समस्या को बढ़ाती है।व्यर्थ में व्यथा और चिंता हमें नकारात्मक बनाती है,चिंतन हमें सकारात्मकता प्रदान करवाता है तो हम हमेशा चिंतन और व्यवस्था करें ,जरूर कामयाब होंगे मंजिल पाने में,चाहे कोरोना हो या कोई और परिस्थिति ,जीत हमारी होगी निश्चित ही । चिंताओं के घेरे में जीवन बह रहा है । व्यर्थ के तनावों में जन-मन घिरा हैं ।समता और सन्तुष्टि जैसे शब्द अब जीवन से पराये हो गए हैं ,फलतः सुकून और शान्ति भी अब दूर कहीं खो गए हैं । ऐसे में आध्यात्म का ही सहारा है क्योंकि इसमें असीम सुख का आसरा छिपा है । प्राप्त में पर्याप्त हमें मानना है । इस सूत्र में समाया अनमोल सुख का ख़ज़ाना हैं ,यह जानना है ।सम-विषम परिस्थिति में समता को हमे धारना है , मनोविकृतियों को चुन-चुन के मारना है । नन्ही सी ज़िन्दगी के एक-एक पल को सुकर्मों से सजाना है , धर्म के मर्म को समझ- खुशियों को जीवन में भरना है । क्षण-क्षण को आह्लाद से भरते जाना हैं ।तभी तो कहा है कि जीना सार्थक उसी का है जिसके जीवन का हर पल परमार्थमय खुशी का होता है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

दक्षिण का रुझान बताएगा तेलंगाना का सियासी मिजाज

टीडीपी पहले चुनाव में जहां 15 सीटें जीती थी, वहीं 2018 में उसे केवल दो सीटें मिलीं। कहा जा सकता है कि कर्नाटक के चुनाव परिणाम से तेलंगाना की सियासत काफी प्रभावित हुई है। कर्नाटक में जिस तरह सफलता मिली उसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना पर काफी फोकस किया। एक समय भाजपा को बीआरएस के सामने प्रमुख पार्टी माना जा रहा था। लेकिन कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान से और दूसरी तरफ भाजपा की राज्य में असमंजस की सियासत के चलते कांग्रेस मुख्यधारा में आ गई।

विधानसभा चुनाव/ वेद विलास उनियाल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर में अब तेलंगाना पर सबकी निगाह है। दक्षिण के इस राज्य में इस बात को लेकर कौतूहल है कि बीआरएस के नेता कल्वा कुंतला चंद्रशेखर राव यानी केसीआर अपनी हैट्रिक बनाते हैं या कांग्रेस का सत्ता परिवर्तन का नारा बुलंद होता है। तेलंगाना की सियासत कई तरह की ऊहापोह के बीच झूलती रही। कभी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विकल्प के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामने दिखी तो फिर बदली परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी ने अपनी धमक दिखाई। तेलंगाना की जमीन पर खड़े होकर केसीआर ने राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष का नेतृत्व करने के मंसूबे भी संजोए। तेलंगाना में इसी बात पर अटकलें लगती रही कि भाजपा बीआरएस के साथ गठबंधन करेगी या फिर तेलुगू देशम को साथ जोड़ेगी। नाटकीय फेरबदल में भाजपा ने दोनों से अलग जनसेना पार्टी के साथ गठबंधन किया। तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव ने अपनी पार्टी बीआरएस को राज्य में मजबूत आधार दिया है। केसीआर कभी एनटीआर और फिर चंद्रबाबू नायडू के मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुके हैं। लेकिन सधे हुए राजनेता की तरह वह अलग तेलंगाना की आवाज को उठाते रहे। साल 2014 में राज्य गठन के बाद पहले चुनाव हुए तो केसीआर का जादू चला और उनकी पार्टी राज्य में 63 सीटें जीतने में कामयाब रही। पांच साल बाद केसीआर का करिश्मा था कि पार्टी ने 15 सीटों की और बढ़ोतरी की। इस बार फिर केसीआर हैट्रिक बनाने के लिए राज्य के ओर-छोर नाप रहे हैं। हालांकि इस दौर के बीच केसीआर पर परिवारवाद को बढ़ावा देने और सरकार के भ्रष्टाचार में घिरने के आरोप लगते रहे हैं। राज्य में एंटी इनकमबेंसी को भांपते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने सरकार की योजनाओं-उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए काफी कोशिश की है। सत्तारूढ़ बीआरएस प्रमुख केसीआर ने खुद को चुनाव प्रचार में इस तरह झोंका हुआ है कि जिन दो सीटों पर वह खुद चुनाव लड़ रहे हैं वहां प्रचार के लिए ज्यादा समय नहीं निकाल पाए। केसीआर गजवेल और कामारेड्डी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि बीसीआर का संगठन कांग्रेस व भाजपा की तुलना में काफी मजबूत है। लेकिन पार्टी एंटी इनकमबेंसी की आशंका को भी समझ रही है। खास बात यह कि गजवेल की सीट पर उन्हें चुनौती देने वाले भाजपा के इटाला राजेंद्र कभी तेलंगाना आंदोलन में उनके साथ थे। बाद में वह मंत्री भी बने। वहीं रेवड़ी बांटने की होड़ तेलंगाना में भी दिखी। बीआरएस ने 400 रुपये में सिलेंडर ,पांच लाख का मुफ्त बीमा, गरीब लड़कियों के विवाह में एक तोला सोना के साथ अपनी योजनाओं का जिक्र कर मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश की है। तेलंगाना में बीआरएस ने रयथु बंधु आसरा पेंशन व रयथु भीम जैसी योजनाएं चलाकर बुजुर्गों, युवकों, महिलाओं, बीड़ी मजदूरों, आदिवासियों को साधने की कोशिश की है। वहीं यहां टीडीपी या आईएमआईएम जैसी पार्टियां सीमित दायरे में हैं। टीडीपी पहले चुनाव में जहां 15 सीटें जीती थी, वहीं 2018 में उसे केवल दो सीटें मिलीं। कहा जा सकता है कि कर्नाटक के चुनाव परिणाम से तेलंगाना की सियासत काफी प्रभावित हुई है। कर्नाटक में जिस तरह सफलता मिली उसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना पर काफी फोकस किया। एक समय भाजपा को बीआरएस के सामने प्रमुख पार्टी माना जा रहा था। लेकिन कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान से और दूसरी तरफ भाजपा की राज्य में असमंजस की सियासत के चलते कांग्रेस मुख्यधारा में आ गई। एक समय यह भी माना जा रहा था कि भाजपा राज्य में बीआरएस से समझौता कर सकती है, खासकर तब जब राज्य भाजपा के फायर ब्रांड नेता बंडी संजय को हटाकर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को प्रदेश संगठन का नेतृत्व दिया गया। कांग्रेस ने 2018 के चुनाव में 18 सीटें हासिल की थी। साथ ही उसे 28.43 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। लोकसभा चुनाव में उसके हिस्से तीन सीटें आई और उसका मत प्रतिशत डेढ़ तक बढ़ा। बदली परिस्थितियों में कांग्रेस मान रही है कि कर्नाटक की तरह जातीय समीकरण उसके पक्ष में होंगे। जहां मुस्लिमों को वह अपने साथ मान रही है वहीं रेड्डी समुदाय को प्रभावित करना चाह रही है। यह भी कि आदिवासी दलित उसके साथ जुड़े तो नया गुल खिल सकता है। पार्टी के लिए स्टार प्रचारकों ने जमकर प्रचार किया है। हर चुनावी राज्य की तरह कांग्रेस ने यहां भी मतदाताओं को सात गारंटियां दी हैं। भाजपा के रणनीतिकारों ने भी तेलंगाना पर काफी प्रयोग किए। आखिर में पार्टी ने यही निर्णय लिया कि वह राज्य में बीआरएस के विरोधी दल के तौर पर दिखे। अमित शाह ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार में घिरे होने के आरोप लगाए। लेकिन यह भी माना जा रहा कि भाजपा राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों को यहां बहुत अहमियत नहीं दे रही है। भाजपा का फोकस 2024 के लोकसभा चुनाव पर है। साल 2018 में भाजपा को केवल एक सीट हासिल हुई थी। लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा ने चार सीटें हासिल की। साथ ही उसका मत प्रतिशत 19.65 हो गया। खासकर ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कारपोरेशन में 48 सीट जीतने के बाद भाजपा की आशाएं बढ़ी। पार्टी ने कांग्रेस और बीआरएस के कुछ नेताओं को अपने से जोड़ने में सफलता पाई। फिर एकाएक भाजपा धीमी हो गई। बहरहाल, भाजपा की कोशिश यहां लोकसभा के पिछले रिकार्ड को बनाए रखने की है। भाजपा ने लोकसभा में जीतने वाले चार सांसदों में तीन को विधानसभा चुनाव लड़ाया है। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को पिछले दोनों चुनाव में सात-सात सीटें मिली थीं। इस बार उनकी पार्टी नौ सीटों पर ही लड़ रही है। राज्य में मुस्लिम करीब 12 प्रतिशत हैं। राज्य में मतदाताओं को तीसरी बार जनादेश देना है। दक्षिण के राज्य तेलंगाना के नतीजे कई तरह के संकेत देंगे।

भोपाल गैस त्रासदी के 39 बरस

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ भोपाल गैस त्रासदी की 39वीं बरसी (3 दिसम्बर) पर विशेष)

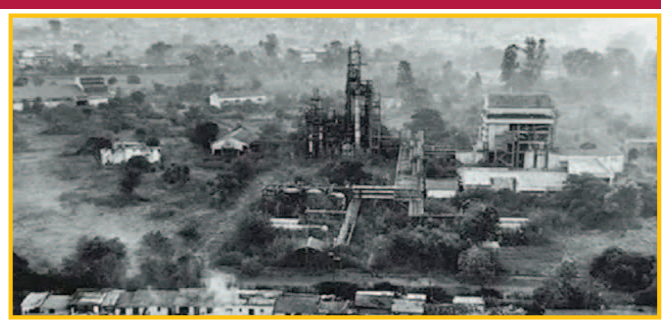

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 3 दिसम्बर 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) से निकली जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' ने हजारों लोगों की जान ली थी। उस जानलेवा त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए थे। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौतों का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला उस रात से शुरू होकर कई वर्षों तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बाद भी इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और इस त्रासदी से पीड़ित होने वालों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया और उनका अंतिम संस्कार किया गया जबकि करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए थे। एक शोध में यह तथ्य सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल में यूसीआईएल के कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था, जहां 'मिथाइल आइसोसाइनाइट' (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। 3 दिसम्बर 1984 को इसी कार्बाइड फैक्टरी से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ था। गैस के रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फेंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे।

भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 39 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। हादसे से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रूख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भूजल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भूजल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भूजल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

2783 विदेशी कंपनियां भारत में बंद हो गई

(लेखक - सनत जैन)

2014 से लेकर 2021 के बीच में लगभग 11000 कंपनियां भारत आई थी। इसी अवधि में 2783 कंपनियां अपना कारोबार बंद करके वापस चली गई। जो महत्वपूर्ण कंपनियां भारत में कारोबार बंद करके गई है। उसमें अबू धाबी कमर्शियल बैंक, अमेरिकी कार कंपनी फोर्ड, स्विस सीमेंट, होलो सिम और जर्मन रिटेलर मेट्रो जैसी बड़ी कंपनियां भी शामिल है। भारत में केवल वही कंपनियां काम कर रही हैं, जो ज्वाइंट वेंचर में विदेशी धन का निवेश करके देसी कंपनियों के साथ मिलकर भारी मुनाफा कमा रही हैं। उनमें डोव सोप, नोर स्टाक एक्सचेंज और ब्रिटिश कंपनी हिंदुस्तान लीवर के कंज्यूमर प्रोडक्ट भारत में सबसे अधिक कार बेचने वाली सुजुकी, दक्षिण कोरिया की हुंडई, जापान की होंडा कंपनी सैमसंग के फोन सोशल मीडिया ऐप व्हाट्सएप इत्यादि से जुड़ी कंपनियां भारत में जमकर माल कूट रही हैं। इसके लिए इन्होंने भारतीय कंपनियों के साथ निवेश करके अपने व्यापार को बढ़ाया है और भारी मुनाफा कमा रहे हैं।

भारत में नई कंपनियां नहीं आ रही है। जो कंपनियां आई थी, वह भी वापस जा रही हैं। उसके पीछे का कारण बहुत बड़ा है। भारत में विदेशी निवेश के लिए बहुत अच्छा वातावरण नहीं है। कानूनों का मकड़जाल, भ्रष्टाचार, बार-बार कानून का बदला जाना, सड़कों पर ट्रैफिक जाम होना, प्रदूषित हवा, खराब संचार माध्यम, व्यावहारिक कठिनाइयों के साथ-साथ कर्मचारियों के साथ टकराव के चलते हुए भारत में जो कंपनियां आई थी। वह भी वापस चली गई। आगे यहां पर विदेशी कंपनियां निवेश नहीं करना चाहती हैं। 2018 के बाद से 2023 तक भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जहां था, वहीं पर है। भारत में वही कंपनियां सरवाइव कर पा रही हैं। जिन्हें सरकारी संरक्षण मिला हुआ है, जो कंपनियां सरकारी प्राथमिकता के अनुसार काम कर रही हैं। उनके पास सरकार के प्रोजेक्ट हैं। सरकारी कांटेक्ट के अंतर्गत कंपनियां काम कर रही हैं। उन्हीं का भारत में प्रत्यक्ष निवेश है। लेकिन वह भी सरकार के भरोसे हैं। इससे आम जनता को कोई फायदा नहीं हो रहा है। संचार माध्यम की कंपनियां गूगल मेटा इत्यादि ने भारी निवेश जरूर किया गया है। लेकिन इसमें कमाई भी उपभोक्ताओं से जमकर की जा रही है। एकाधिकार के बल पर भारी कमाई यह विदेशी कंपनियां कर रही हैं। जो भी विदेशी कंपनियां यहां पर आ रही हैं, वह भारतीय पार्टनर के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पार्टनर के रूप में भी वह उस कंपनी को खोजते हैं। जिसके वर्तमान सरकार के साथ बहुत अच्छे संबंध हों। व्यापार में एकाधिकार होना और भारी कमाई सुनिश्चित करने के बाद ही कंपनियां भारतीय कंपनियों में निवेश कर रही हैं। चीन से बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों ने अपना कारोबार दूसरे देशों में शिफ्ट किया है। इसका फायदा उठाने में भारत को कोई सफलता नहीं मिली। उल्टे बांग्लादेश जैसे छोटे से देश में विदेशी कंपनियों ने भारत से ज्यादा निवेश किया है। बांग्लादेश भारत की तुलना में बड़ा निर्यातक देश बन रहा है। भारत में नियम कायदे और कानून का जो मकडजाल बना हुआ है, उस मकडजाल से विदेशी कंपनियां अपने आप को निकाल ही नहीं पाती हैं। रही सही कसर भारत में व्याप्त भ्रष्टाचार जो राजनेताओं से लेकर नौकरशाहों तक फैला हुआ है, उसको देखकर विदेशी कंपनियां घबरा कर भागने में ही भलाई समझती हैं। चीन से जब विदेशी कंपनियां बाहर जा रही थी, उस समय भारत के लिए एक बहुत बड़ा अवसर था। लेकिन भारत सरकार की कार्यप्रणाली में कोई परिवर्तन नहीं आने, निर्णय में देरी करने के कारण बांग्लादेश जैसे देश आज भारत से आगे निकल गये हैं। यह भारत के लिये सबसे बड़ी चिंता का विषय है।

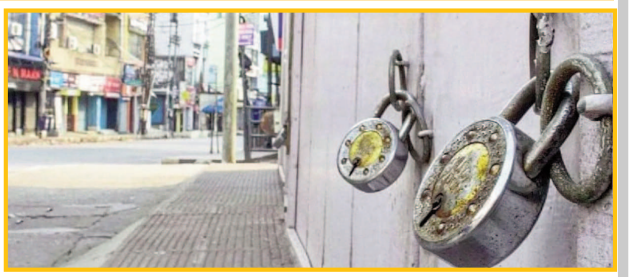

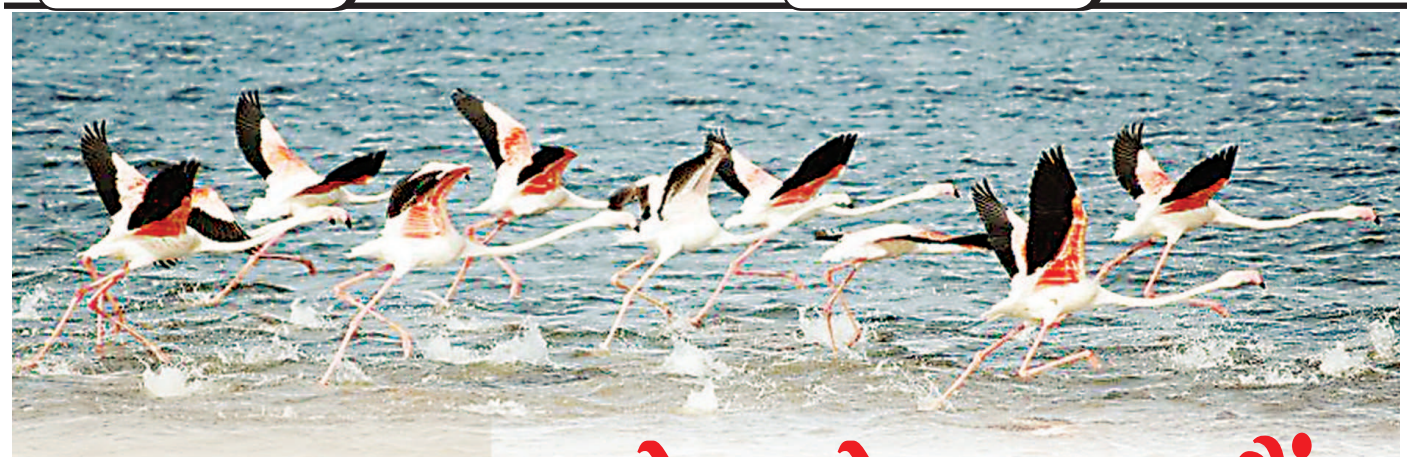

दूर देश से आ गए हैं खास मेहमान

दोस्तों, इस मौसम में तुम्हारे शहर की झीलों, नदियों, पक्षी अभयारण्य और चिड़ियाघरों को प्रवासी पक्षी अपना बसेरा बना लेते हैं और ये वसंत पंचमी यानी फरवरी-मार्च तक यहां से वापस अपने देश या फिर इससे आगे चले जाते हैं। पर तुम कितना जानते हो इनके प्रवास यानी माइग्रेशन के बारे में ? जितना ही इन्हें समझोगे, हैरान रह जाओगे तुम...चलो आज बात करते हैं इनके माइग्रेशन की।

क्या होता है माइग्रेशन

यह लैटिन शब्द 'माइग्रेटस' से आया है, जिसका मतलब होता है बदलाव। इसलिए पक्षियों के द्वारा किसी विशेष मौसम में भौगोलिक बदलाव को माइग्रेशन नाम दिया गया है। हिंदी में इसे प्रवास कहा जाता है। प्रवास का अर्थ है, यात्रा पर जाना या दूसरे स्थान पर जाना। लेकिन उनका यह प्रवास केवल अपने देश में सीमित नहीं होता, बल्कि दूर-दूर के देशों तक होता है, जहां भी इन्हें अपने अनुकूल मौसम और भोजन मिल जाए। कई पक्षी तो ऐसे हैं, जो कई माह का सफर तय कर दूसरे देश पहुंचते हैं।

कहां से आते हैं ये पक्षी

ऐसा नहीं कि दूसरे देश के पक्षी ही भारत आते हैं, बल्कि भारत के पक्षी भी दूसरे देश जाते हैं। भारत के पक्षी लगभग 10,000 किलोमीटर का सफर तय करके रूस के निकट साइबेरिया पहुंचते हैं और इसी प्रकार उस देश के पक्षी भारत में आते हैं। जो पक्षी भारत में आकर सर्दियां गुजारते हैं, वे उत्तरी एशिया, रूस, कजाकिस्तान तथा पूर्वी साइबेरिया से यहां आते हैं। 2,000 से 5,000 किलोमीटर की दूरी तो ये आसानी से उड़कर पार कर लेते हैं, यद्यपि इसमें इन्हें काफी समय लगता है। फिर भी यह बहुत आश्चर्यजनक है कि समुद्री और दुर्गम रेगिस्तानी प्रदेशों को ये कैसे पार कर लेते हैं, क्योंकि इन कठिन स्थानों को वायुयान से पार करने में मनुष्य भी हिचकिचाते हैं, फिर ये पक्षी तो आकार में बहुत बड़े भी नहीं होते। इनमें गेहवाला जैसी छोटी चिड़िया और छोटे-छोटे परिंदे भी सम्मिलित हैं। भारत का सुप्रसिद्ध पक्षी राजहंस भारत में सर्दियां गुजारता है और तिब्बत जाकर मानसरोवर झील के किनारे अंडा देता है। पक्षियों का यह विचित्र स्वभाव देखकर पक्षी विज्ञान के विशेषज्ञ भी आश्चर्यचकित रह जाते हैं।

भारत की मेजबानी

गर्मी हो या ठंड भारत प्रवासी पक्षियों की मेजबानी में हमेशा आगे रहता है, चाहे वह भोजन हो या आवास की जरूरत। किंगफिशर, रोजी, पेलिकन, वुड सैंडपाइपर, स्टार्लिंग ब्लूथ्रोट आदि कुछ ऐसी प्रवासी पक्षी हैं, जो अनुकूल हवा देखकर स्थान बदलते हैं। यदि वे एक बार माइग्रेशन शुरू कर देते हैं तो केवल खराब मौसम ही उन्हें ऐसा करने से रोक सकता है। साइबेरियन क्रेन, ग्रेट फ्लेमिंगो, रफ जैसे काफी पक्षी माइग्रेटिंग के दौरान काफी ऊंची उड़ान भरते हैं। ये तभी प्रवास पर जाते हैं, जब इन्हें लगता है कि इनके पास इतना फैट है, जो इनकी यात्रा के दौरान साथ देगा।

झुंड बनाकर करते हैं 'माइग्रेशन'

पक्षियों में एक हैरत में डालने वाली बात ये है कि जब ये सभी प्रवास के लिए निकलते हैं तो अकेले नहीं, बल्कि हजारों की संख्या में दल बनाकर जाते हैं।

ठंड में भारत आने वाले पक्षी

साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ट स्टिल्ट, कॉमन टील, कॉमन ग्रीनशैंक, नॉर्दर्न पिनटेल, रोजी पेलिकन, गडवाल, वूड सैंडपाइपर, स्पॉटेड सैंडपाइपर, यूरेसियन विजन, ब्लैक टेल्ड गॉडविट, स्पॉटेड रेडशैंक, स्टार्लिंग, ब्लूथ्रोट, लांग बिल्ड पिपिट।

क्यों आते हैं हमारे देश

शीत ऋतु यानी जाड़े में इन प्रवासी पक्षियों के यहां बर्फ जम जाती है और ऐसी कंपकंपाने वाली ठंड के कारण इन पक्षियों का आहार बनने वाले जीव या तो मर जाते हैं या जमीन में दुबक कर शीत-निद्रा में चले जाते हैं, जिससे वे सर्दियों के समाप्त होने के बाद ही जागते हैं। ऐसी स्थिति में इन पक्षियों के लिए आहार ढूंढना और जिंदा रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए वे भारत जैसे गर्म देशों में चले आते हैं, जहां बर्फ नहीं जमती और उन्हें आहार भी अच्छे से मिल जाता है।

प्रवासी पक्षियों को पहचानने की कोशिश

अनेक संस्थाएं हैं, जो इन प्रवासी पक्षियों को मेटल के रिंग पहना देती हैं और अपने देश में मिलने वाली पक्षियों की सूचना संबंधित देशों को भेजती हैं। इससे यह बात बहुत आसानी से जान ली जाती है कि कौन से पक्षी किस देश के हैं, तथा वे किस-किस देश में प्रवास के लिए जाते हैं।

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे

वर्ल्ड माइग्रेटरी बर्ड-डे दो दिन का कार्यक्रम है, जो मई के दूसरे वीकएंड पर सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे का असल मकसद है लोगों के बीच इन प्रवासी पक्षियों व उनके आवास के लिए सुरक्षा की भावना लाना। यूनाइटेड नेशन एक ऐसा संगठन है, जो इस ग्लोबल अवेयरनेस कैंपेन का समर्थन करता है। इस दिन पूरी दुनिया में लोग पब्लिक ईवेंट्स जैसे- बर्ड फेस्टिवल, एजुकेशन प्रोग्राम या पक्षियों पर आधारित और भी कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

माइग्रेशन के दौरान चुनौतियां

हालांकि माइग्रेशन को आसान बनाने के लिए ये पक्षी अपने शरीर को अनुकूलित कर लेते हैं, पर फिर भी इन्हें अपने इस सफर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

- पर्याप्त भोजन न मिलना और भुखमरी
- हवा में उड़ते हुए ऊंची बिल्डिंग या हवाई जहाज से टक्कर
- प्रदूषण या चल रहे निर्माण कार्यों की वजह से ठहराव या निवास स्थान के विनाश से
- खराब मौसम और तूफान भी इन्हें घायल कर देते हैं या राह से भटका देते हैं

माइग्रेशन खतरनाक है, पर ढेर सारे पक्षियों के लिए आवश्यक भी। हर वर्ष होने वाले इस माइग्रेशन या प्रवास के बाद पक्षी अपने देश को खुशहाली के साथ लौटते हैं।

दिल्ली में कहां आए कितने मेहमान

>> नजफगढ़ में इस साल 16 प्रजाति के प्रवासी पक्षियों ने अपना घर बनाया है। अब तक 5000 से ज्यादा चिड़ियों को यहां देखा गया है, जो दूर देश से आई हैं। दिल्ली में प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगने का दूसरा प्रसिद्ध स्थान है ओखला अभयारण्य। इस वर्ष अब तक वहां करीब 7000 प्रवासी पक्षी पहुंच चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि अभी और पक्षी आएंगे। वहीं दिल्ली के चिड़ियाघर में भी पक्षियों ने आना शुरू कर दिया है।

>> दूर देशों से शीत ऋतु में भारत आने वाले इन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा इन प्रमुख स्थानों पर जरूर लगता है और वह भी बहुतायत की संख्या में।

यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क, नई दिल्ली

>> यहां रेड क्रेस्टेड पोचार्डस, टफ्टेड पोचार्डस, यूरेसियन विजन, पिनटेल्स और कूट्स जैसे पक्षी, जो साइबेरिया व सेंट्रल एशिया से आते हैं, मुख्य रूप से जनवरी माह में देखे जाते हैं।

भरतपुर बर्ड सैंचुरी, राजस्थान

>> ग्रीन लेग्ड गूज, चीनी कूट, पोचार्डस, टील, मालार्ड को यहां आसानी से देखा जा सकता है। ये अक्टूबर मध्य से आना शुरू करते हैं और फरवरी तक यहां देखे जा सकते हैं।

कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड

>> यहां प्रवासी पक्षियों में मोर, गिद्ध, जंगली मुर्गे और अलग प्रजाति के तोते देखे जा सकते हैं।

सुल्तानपुर बर्ड सैंचुरी, हरियाणा

>> शीत ऋतु में यहां प्रवासी पक्षियों के आने से बडम ही मनमोहक दृश्य बन जाता है। साइबेरियन क्रेन, ग्रेटर फ्लेमिंगो, रफ, ब्लैक विंग्ड स्टिल्ट, टील और ग्रीन शैंक आदि मेहमान पक्षियों को यहां देखा जा सकता है।

सूरजपुर बर्ड सैंचुरी, ग्रेटर नोएडा

>> यहां देश के विभिन्न हिस्से से तो पक्षियों का आना होता ही है, पर सर्वे से पता चला है कि करीब 40 विभिन्न प्रजाति के प्रवासी पक्षियों को यहां देखा गया है।

दिल्ली चिड़ियाघर, नई दिल्ली

>> सारस, जंगली बत्तख व शोवेलर्स को फरवरी तक यहां देखा जा सकता है।

हौज खास विलेज झील, नई दिल्ली

>> हर वर्ष शीत ऋतु में हौज खास विलेज की झील में खूबसूरत व रंगीन प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगता है।

कोल्लेरु झील बर्ड सैंचुरी, आंध्र प्रदेश

>> काफी सारे प्रवासी पक्षी, जैसे साइबेरियन क्रेन, इबिस और रंगीन सारस आदि यहां जाड़े के मौसम में आते हैं।

पोंग डैम झील, हिमाचल प्रदेश

>> इसे महाराणा प्रताप सागर के नाम से भी जाना जाता है। यहां प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है जो काफी मनोरम दृश्य पैदा करता है।

रंगनथिट्टू बर्ड सैंचुरी कर्नाटक

>> यहां हर वर्ष दिसंबर के महीने में 20 देशों से भी ज्यादा प्रवासी पक्षियों का झुंड आता है।

चिल्का झील, उड़ीसा

>> एशिया की सबसे बड़ी नमकीन पानी की झील है ये। शीत ऋतु में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आते हैं।

पुलीकट झील, तमिलनाडु

>> यहां 60 से ज्यादा प्रजाति के पक्षियों का आवास है। इनमें से 80 प्रतिशत से ज्यादा प्रवासी पक्षी होते हैं।

ये भी जानो

>> पक्षियों का माइग्रेशन काफी सारे फैक्टर पर निर्भर करता है, जैसे पक्षियों की प्रजाति, माइग्रेशन की दूरी, यात्रा की गति, रास्ता, जलवायु आदि।

>> माइग्रेशन से पहले ये पक्षी 'हाइपरफैगिया' फेज में चले जाते हैं, जहां हार्मोन लेवल में बदलाव होता है और इनका शारीरिक वजन जबर्दस्त बढ़ता है, जिससे इनके शरीर में फैट जमा होता है। माइग्रेशन के दौरान उड़ने के लिए ये अपने शरीर में जमा इस फैट से ही एनर्जी लेते हैं।

>> तुम्हें जानकर अचरज होगा कि माइग्रेशन के लिए एक ओर का रास्ता तय करने में एक चिड़िया को कुछ हफ्तों से लेकर चार महीने तक लग जाते हैं। यह माइग्रेशन का सफर- कुल दूरी, उड़ने की गति, रास्ता और ठहराव आदि पर निर्भर करता है।

>> काफी सारे ऐसे पक्षी होते हैं, जो दिन के वक्त ही उड़ते हैं, पर इनमें से कुछ ऐसे भी हैं, जो रात को उड़कर अपने माइग्रेशन की दूरी तय करते हैं।

>> ये प्रवासी पक्षी तारों, सूर्य, हवा के बहने के तरीके और जमीन के प्राकृतिक बनाव से रास्ते को पहचानते हैं, जो उनके नैविगेशन में मददगार साबित होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र भी माइग्रेशन में मददगार है।

नोमुरा ने 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

मुंबई ।

जापान की ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को 5.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ें आने के बाद यह बढ़ोतरी की गई। हालांकि ब्रोकरेज कंपनियों के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 5.6 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में सुस्ती, ग्रामीण मांग और निजी पूंजीगत व्यय में गिरावट, वैश्विक नरमी के कारण 2024-25 में वृद्धि दर घट सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण, खनन और सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के साथ देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत रही। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 6.2 प्रतिशत थी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शरद महेंद्र को सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने शरद महेंद्र को कंपनी का संयुक्त प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उनकी नियुक्ति एक फरवरी, 2024 से प्रभावी है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा` कि प्रशांत जैन के जल्दी सेवानिवृत्त होने के फैसले के कारण बनी रिक्ति के परिणामस्वरूप शरद महेंद्र को एक दिसंबर 2023 से पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया गया है। पूर्णकालिक निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति एक दिसंबर, 2023 से पांच साल की अवधि के लिए है।

सेबी ने स्कोर्स मंच के जरिए नए मानदंड लागू करने की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने स्कोर्स मंच के जरिए मिलने वाली शिकायतों के निपटारे के नए मानदंडों को लागू करने की समय सीमा एक अप्रैल, 2024 तक बढ़ा दी। स्कोर्स (सेबी शिकायत निपटान प्रणाली) मंच के जरिए पंजीकृत संस्थाओं की शिकायतों का निपटारा और नामित निकायों की शिकायतों की निगरानी की जाती है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने एक परिपत्र में कहा कि प्रावधानों के कार्यान्वयन की प्रभावी तिथि को एक अप्रैल, 2024 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। सेबी ने सितंबर में स्कोर्स मंच के जरिये प्राप्त शिकायतों के निपटान और निगरानी से जुड़ी पंजीकृत इकाइयों और मनोनीत निकायों को लेकर नये दिशानिर्देश जारी किये थे। स्कोर्स शिकायत निपटान प्रणाली है। इसकी शुरुआत जून, 2011 में हुई थी। निवेशक इसके जरिये प्रतिभूति बाजार, कंपनियों, मध्यस्थों और बाजार से जुड़े ढांचागत संस्थानों के खिलाफ सेबी के पास अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

चीनी साझेदारों के साथ बेहतर भविष्य बनाने के लिए तत्पर है : टेस्ला उपाध्यक्ष

बीजिंग।

पहला चीन अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन एक्सपो 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक चीन की राजधानी पेइचिंग में आयोजित हो रहा है। एक्सपो के दौरान, टेस्ला (ट्ठस्रुत्तऋ्अस्ऱ) की उपाध्यक्ष थाओ लिन ने शिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि टेस्ला चीनी आपूर्तिकर्ताओं के साथ हाथ मिलाकर काम करते हुए एक-दूसरे का समर्थन करता है और चीनी भागीदारों के साथ भविष्य बनाने के लिए तत्पर है। इस एक्सपो आपूर्ति श्रृंखला विषय पर विश्व की पहली राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी है। टेस्ला और कई अन्य फॉर्च्यून 500 कंपनियों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली की अग्रणी कंपनियों ने प्रदर्शनी में भाग लिया।

थाओ लिन ने कहा कि वर्ष 2013 में पेइचिंग में टेस्ला का पहला अनुभव स्टोर खोला, साल 2023 में टेस्ला के शांगहाई गीगाफैक्ट्री में 20 लाख वाहन उत्पादन लाइन से बाहर हो गए। टेस्ला हमेशा स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों के साथ बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। वर्तमान में, शांगहाई गीगाफैक्ट्री के हिस्सों की स्थानीयकरण दर 95 प्रतिशत से अधिक है।

थाओ लिन ने आगे कहा कि चीनी बाजार के अद्वितीय महत्व, उन्नत विकास अवधारणाओं और अच्छे कारोबारी माहौल टेस्ला के लिए बड़े अवसर पैदा करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टेस्ला के लिए चीन हमेशा से एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार रहा है। इसके अलावा, थाओ लिन ने कहा कि कई प्रसिद्ध घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश संस्थानों ने हाल ही में वर्ष 2023 में चीन की आर्थिक वृद्धि के लिए अपनी उम्मीदें बढ़ा दी हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी की पृष्ठभूमि में चीन की आर्थिक बहाली चीन को वैश्विक आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन बनाती रहेगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 597.93 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 597.93 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल मुद्रा भंडार 5.07 अरब डॉलर बढ़कर 595.39 अरब डॉलर हो गया था। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.14 अरब डॉलर बढ़कर 528.53 अरब डॉलर हो गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंचा था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबाव के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। गोल्ड कलेक्शन का मूल्य 29.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.34 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.22 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर हो गया।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल में हल्की गिरावट

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है, लेकिन इसका असर देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा देखने को नहीं मिल रहा है। हालांकि शे निवार को कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है। पटियाला में पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 51 पैसे सस्ता हो गया है, जबकि पटना में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश और गोवा समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व और अन्य प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने ऊंची मुद्रास्फीति पर काफी हद तक काबू पा लिया है और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद भी बढ़ गई है, जिससे उत्साहित होकर भारत और दूसरे देशों के बाजार में शुक्रवार को तेजी रही। बेंचमार्क निफ्टी तो रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। निफ्टी 135 अंक की तेजी के साथ अपने पिछले उच्चतम स्तर 20,192 को लांघकर 20,268 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 20,292 तक पहुंच गया था। सेंसेक्स भी 493 अंक चढ़कर पर बंद हुआ। बीते पांच महीने में सूचकांकों के लिए यह बीता हफ्ता अच्छा साबित हुआ। देसी-विदेशी निवेशकों की लिवाली से बीते सप्ताह निफ्टी में 2.4 फीसदी और सेंसेक्स में 2.3 फीसदी तेजी दर्ज की गई। बीते सप्ताह गुरुनानक जयंती के अवसर पर सोमवार को अवकाश रहने की से पांच में से चार कारोबारी` दिनों में शेयर बाजार में कारोबार हुआ। मंगलवार को बाजार में सपाट लेकिन हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 50 अंक मजबूत होकर 66,020 पर खुला और 204.16 अंकों की बढ़त के साथ 66,174.20 अंकों के स्तर पर जबकि निफ्टी 95.00 अंक मजबूत होकर 19,889.70 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 30 अंक की मजबूती के साथ 19,820 के स्तर पर खुला और 95.00 अंक मजबूत होकर 19,889.70 के लेवल पर बंद हुआ।

शेयर बाजार में बुधवार को मजबूती के साथ कारोबार होता दिखा। बीएसई सेंसेक्स 350 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 66,500 पर खुला और 727.71 अंकों की बढ़त के साथ 66,901.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 120 अंकों की मजबूती के साथ सितंबर के बाद पहली बार 20000 पर खुला और 206.90 अंक मजबूत होकर 20,096.60 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 118.2 अंक चढ़कर 67,020.11 पर खुला और 86.53 अंक मजबूत होकर 66,988.44 पर बंद हुआ। निफ्टी 39.55 अंक बढ़कर 20,136.15 पर खुला और 36.56 अंक मजबूत होकर 20,133.15 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में दिसंबर महीने की धमाकेदार शुरुआत हुई है। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 271 अंक बढ़कर 67,260 पर खुला और 492.75 अंक मजबूत होकर 67,481.19 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 90 अंकों की तेजी के साथ 20,223 के स्तर पर खुला और 134.75 अंकों की बढ़त के साथ 20,267.90 के स्तर पर बंद हुआ।

भारत में सोने की कीमतें अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंची

मुंबई।

शादी के सीजन और कीमती धातु की बढ़ती वैश्विक दरों के बीच भारत में सोने की कीमतें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। चेन्नई में सुबह के कारोबार में 24 कैरेट सोने की कीमत 64,530 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और कोलकाता में कीमती धातु की कीमत 63,760 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थी, जो पिछले दिन की तुलना में 810 रुपये अधिक थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। शुक्रवार को हाजिर कीमतें 1.6 प्रतिशत बढ़कर 2,069.10 डॉलर प्रति औंस हो गईं। भारत बड़ी मात्रा में सोने का आयात करता है और बढ़ती वैश्विक कीमतों का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं क्योंकि प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में गिरावट जारी है और वर्तमान में यह तीन महीने के निचले स्तर के करीब है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है। ऐसी उम्मीदें भी बढ़ रही हैं कि फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में दरों में कटौती कर सकता है। कम ब्याज दरों की उम्मीद वित्तीय साधनों को सोने की तुलना में निवेशकों के लिए कम आकर्षक बनाती है, जिसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। शादी के मौसम के बीच घरेलू बाजार में सोने की मांग मजबूत बनी हुई है क्योंकि दुल्हन और दूल्हे को बड़ी मात्रा में कीमती धातु उपहार में दी जाती है।

होंडा ने हाइनेस सीबी350, सीबी350आरएस की कुछ इकाइ वापस मंगाई

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने कहा कि वह अपने हाइनेस सीबी350 और सीबी350आरएस मॉडल की कुछ इकाइयों को वापस मंगाएगी और खरब कलपुर्जों को बदलेगी। एचएमएसआई ने कहा कि इन मॉडल के पिछले स्टॉप लाइट स्विच के रबर वाले हिस्से के उत्पादन में कुछ गड़बड़ी पाई गई है। इसकी वजह से आगे चलकर इसमें पानी घुसने और जंग लगने की समस्या हो सकती है। कंपनी ने कहा कि अक्टूबर, 2020 से जनवरी, 2023 के बीच विनिर्मित इकाइयां इससे प्रभावित हैं। हालांकि कंपनी ने वापस बुलाई जा रही इकाइयों की संख्या नहीं बताई। इसके अलावा इन मॉडलों के सेंसर हाउसिंग की मोल्डिंग में भी कुछ कमियां पाई गई हैं। इससे सेंसर के गलत ढंग से काम करने की आशंका है। अक्टूबर, 2020 से दिसंबर, 2021 के बीच की मोटरसाइकिल इससे प्रभावित हैं। एचएमएसआई ने कहा कि वापस मंगाई गई इकाइयों में इन दोषपूर्ण कलपुर्जों को बदलने का काम निःशुल्क किया जाएगा।

15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा अयोध्या एयरपोर्ट, उतर सकेंगे बोइंग 737, एयरबस 319

अयोध्या।

अयोध्या का मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 15 दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसी के साथ उड़ान भी शुरू हो जाएगी। यहां 2200 मीटर के रनवे का क्रियान्वयन होने जा रहा है, जिस पर छोटे विमानों के साथ ही बोइंग 737, एयरबस 319 और एयरबस 320 जैसे बड़े विमान भी लैंड कर सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को निर्माणाधीन एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने एयरपोर्ट के निर्माण से जुड़े प्रेजेंटेशन को भी देखा और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि अयोध्या में बन रहे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप प्रभु श्रीराम की पावन अयोध्या नये भारत की नई अयोध्या बन रही है। अयोध्या की देश और दुनिया के साथ कैसी कनेक्टिविटी होनी चाहिए, इसी के निरीक्षण के लिए यहां केंद्रीय मंत्रियों के साथ आना हुआ है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में पहले मात्र 178 एकड़ में बहुत छोटी सी एयरस्ट्रिप थी। इसे एक बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में तैयार किया गया है। 821 एकड़ लैंड राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध कराने के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी इंडिया द्वारा नये एयरपोर्ट का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। अयोध्या के विकास के लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है वो अयोध्यावासियों को प्राप्त होगा। अयोध्या को उसका गौरव पुनः प्रदान करने के लिए सरकार पूरी गंभीरता के साथ प्रयास कर रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि अयोध्या के हवाईअड्डे में यहां की सांस्कृतिक क्षमता को परिलक्षित करने की कोशिश हुई है। पहले चरण में 65 हजार वर्ग फुट का हवाईतल बनने जा रहा है। इसकी क्षमता प्रतिघंटे 2 से 3 फ्लाइट की होगी। यहां 2200 मीटर के रनवे का क्रियान्वयन होने जा रहा है, जिस पर छोटे विमानों के साथ ही बोइंग 737, एयरबस 319 और एयरबस 320 जैसे बड़े विमान भी लैंड कर सकेंगे। शुरुआत में यहां 8 एप्रन बनाए गये हैं।

अडाणी ग्रुप 7 लाख करोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करेगा

मुंबई ।

अडानी समूह के इंफ्रा सेक्टर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। ग्रुप अगले दशक में 84 अरब डॉलर (करीब 7 लाख करोड़ रुपए) इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करेगा। ग्रुप के मुख्य वित्त अे धिकारी ने इसकी जानकारी दी। अडानी ग्रुप ने रिपोर्ट में लगे आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है लेकिन इन आरोपों से कंपनी के स्टॉक्स और भविष्य की योजनाओं पर असर दिखा है। अडानी ग्रुप के मुख्य वित्त अे धिकारी जुगेशिंदर सिंह ने मुंबई में एक कार्यक्रम में 84 अरब डॉलर की योजना के बारे में बताया कि हम इससे ज्यादा का निवेश करना चाहते हैं। इसी साल जुलाई में कंपनी ने पोर्ट, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर कारोबार में बड़े विस्तार लक्ष्य की जानकारी दी थी। हालांकि साथ ही कंपनी ने कई नॉन कोर इनवेस्टमेंट में से निकलने को लेकर भी जानकारी दी है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार अडानी ग्रुप इंफ्रा में फोकस करने और एफएमसीजी कारोबार से बाहर निकलने की योजना पर काम कर रही है क्योंकि एफएमसीजी कारोबार में मार्जिन काफी कम रहे हैं। सीएफओ के मुताबिक ग्रुप की 7 टॉप कंपनियों की कुल वेल्थ कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री से भी ज्यादा है और ग्रुप अब आय बढ़ाने पर फोकस कर रहा है। ग्रुप की 7 कंपनियां इंफ्रा सेक्टर में है जिसमें अडानी एंटरप्राइजेस, अडानी पावर, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट हैं।

बाजार चढ़ने के साथ बिकवाली कर सकता है एफपीआई

नई दिल्ली।

शेयर बाजार एक बार फिर से उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में एफपीआई फिर से बिकवाली कर सकता है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने ये बात कही है।एफपीआई ने भारत में अपनी बिकवाली रणनीति को उलट दिया है।

उन्होंने कहा, अमेरिकी बांड यील्ड में गिरावट और भारतीय बाजार की मजबूती ने एफपीआई को अपनी बिकवाली रोकने के लिए मजबूर किया है। पिछले छह दिनों के दौरान, एफपीआई भारत में लगातार खरीदार रहे। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में, एफपीआई प्रवाह सकारात्मक हो गया और 9,000 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीद का आंकड़ा सामने आया है, हालांकि उन्होंने नकदी बाजार में 368 करोड़ रुपये की बिकवाली की। उन्होंने कहा कि 2023 के लिए अब तक कुल खरीद का आंकड़ा 1,04,972 करोड़ रुपये है।आगे चलकर, एफपीआई की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण रूप से बाजार की प्रवृत्ति पर निर्धारित होगी, जो राज्यों के चुनाव परिणामों से प्रभावित होगी। यदि राज्य के चुनाव नतीजे सत्ताधारी सरकार के लिए अनुकूल रहे, तो बाजार में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी बिकवाली से एफपीआई के उस रैली को चूकने की संभावना नहीं है। वे वित्तीय क्षेत्र में खरीदारी कर सकते हैं जहां मूल्यांकन ठीक है।

अधिग्रहण के बाद ब्रॉडकॉम करीब 1,300 वीएमवेयर कर्मचारियों की छंटनी करेगा : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका स्थित हार्डवेयर कंपनी ब्रॉडकॉम कथित तौर पर डेस्कटॉप वर्चुअलाइजेशन सॉफ्टवेयर प्रदाता वीएमवेयर से लगभग 1,267 कर्मचारियों की छंटनी करेगी, जिसे उसने पिछले महीने 69 अरब डॉलर में अधिग्रहित किया था। ब्रॉडकॉम ने वीएमवेयर से करीब 1,300 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की योजना के बारे में कैलिफोर्निया रोजगार विभाग को एक आवेदन दायर किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, छंटनी 26 जनवरी 2024 से प्रभावी होगी, जिससे वीएमवेयर के पालो ऑल्टो कार्यालय के कर्मचारी प्रभावित होंगे। कंपनी में फिलहाल करीब 38,000 कर्मचारी हैं। ब्रॉडकॉम में लागत कम करने में मदद के लिए अधिग्रहण के बाद नौकरी की भूमिकाओं को खत्म करने का एक पैटर्न है। चीन में विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, पिछले महीने के अंत में ब्रॉडकॉम ने वीएमवेयर का 69 बिलियन डॉलर का अधिग्रहण पूरा कर लिया। वीएमवेयर के सामान्य स्टॉक का न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) में कारोबार बंद हो गया। ब्रॉडकॉम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हॉक टैन ने कहा, हम ब्रॉडकॉम में वीएमवेयर का स्वागत करने और अपनी इंजीनियरिंग-फर्स्ट, इनोवेशन-केंद्रित टीमों को एक साथ लाने के लिए उत्साहित हैं क्योंकि हम दुनिया की अग्रणी बुनियादी ढांचा प्रौद्योगिकी कंपनी के निर्माण में एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। ब्रॉडकॉम के पास स्थायी विकास के लिए हमारे द्वारा हासिल किए गए व्यवसायों में निवेश करने का एक लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हम जिन हितधारकों की सेवा करते हैं, उनके लाभ के लिए वीएमवेयर के साथ यह जारी रहेगा। अगस्त में यूके की प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) ने गहन जांच के बाद ब्रॉडकॉम को वीएमवेयर की खरीद को मंजूरी दे दी थी। जुलाई में यूरोपीय आयोग (ईसी) ने कुछ शर्तों के साथ अधिग्रहण को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी थी।मूल रूप से ब्रॉडकॉम वीएमवेयर क्लाउड फाउंडेशन में निवेश करेगा जोकि सॉफ्टवेयर स्टैक है जो निजी और हाइब्रिड क्लाउड की नींव के रूप में कार्य करता है।

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच जोरदार होगा पांचवा टी20 मुकाबला

-आज बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर मचेगा घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीरीज का 5वां और आखिरी टी20 मैच रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने जा रहा है। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें कि मेजबान टीम इंडिया रायपुर टी20 जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी है। भारत ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से पराजित किया। अब सभी की नजरें पांचवें टी20 पर टिक गई है। लोग बेंगलुरु में पिच पर बड़ा स्कोर देखने को उत्सुक हैं। बता दें कि मौजूदा सीरीज के शुरुआती 3 मैचों में जिस तरह से दोनों टीमों ने बड़ा स्कोर बनाया था उसके मुकाबले रायपुर में छोटा स्कोर दिखा। अब यह तय करना है कि बेंगलुरु में गेंदबाज बरपाएंगे कहर या बल्लेबाजों के बल्ले से रन खूब निकलेंगे। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम ने अभी तक 8 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी की है। इसके अलावा इस स्टेडियम में आईपीएल के मैच लगातार आयोजित होते रहे हैं। यहां का फ्लैट विकेट बल्लेबाजों के मुफीद रहा है। यहां छोटी बाउंड्री है। हालांकि हाल में जो मैच यहां खेले गए हैं उनमें हाई और लो स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिले हैं।

वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान टीमें आसानी से 300 पर पहुंची हैं। यहां चेज करने वाली टीम के 5 में जीत मिली है जबकि पहले बैटिंग करने वाली टीम 2 मैचों में विजयी रही है। यहां औसत स्कोर 139 का रहा है। ओस अहम रोल अदा करेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया 5वें टी20 वाले दिन शाम को आसमान में बादल छाए रहेंगे। एक्यूवेदर डॉट कॉम के मुताबिक अधिकतम तापमान 22 और 23 के बीच रहने का अनुमान है। आसमान में बादल छाए रहेंगे लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। ऐसे में दर्शकों को पूरे 20 ओवर का खेल देखने को मिलेगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 30 टी20 में आमना सामना हुआ है जहां भारत 18 वहीं ऑस्ट्रेलिया 11 मैचों में विजयी रहा है। एक मैच बेनतीजा रहा है। भारत पहले बैटिंग करते हुए 7 मैच जीता है जबकि ऑस्ट्रेलिया 4 मैचों में विजयी रहा है। चेज करते हुए टीम इंडिया 10 मैच जीती है जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम 6 जीत दर्ज हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने घर में 14 में से 9 टी20 जीते हैं जबकि 5 में हार मिली है।

रोनाल्डो को हार के बाद सुनने पड़े 'मेसी, मेसी के नारे

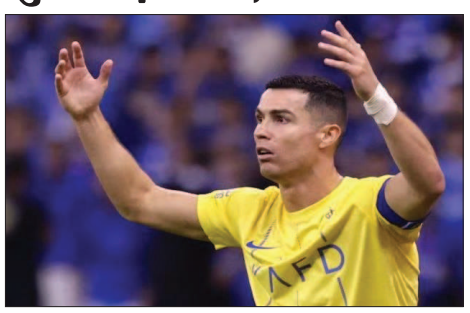

रियाद (एजेंसी)। फुटबॉल के बादशाह कहलाने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मौजूदगी के बावजूद अल नासर को सऊदी अरब फुटबॉल प्रो लीग में अल हिलाल के हाथों 3-0 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद विजेता टीम के प्रशंसकों ने 'मेसी, मेसी के नारे लगाकर पुर्तगाल के इस सुपरस्टार पर ताने कस दिए।

दरअसल लियोनेल मेसी का इस मैच से कोई लेना-देना नहीं था लेकिन पिछले दो दशक से रोनाल्डो और उनके बीच फुटबॉल के मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है। इसकारण पांच बार के बैलन डीओर विजेता रोनाल्डो जब मैदान से बाहर निकल रहे थे, तब अल हिलाल के प्रशंसक अर्जेंटीना के सुपरस्टार का नाम लेकर उन्हें चिढ़ा रहे थे। रोनाल्डो इस मैच में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके, जबकि विजेता टीम की तरफ से अलेक्जेंडर मित्रोविच ने दो और सर्बिया के उनके साथी सर्गेज मिलिनकोविच सैविच ने एक गोल किया। रियाद की इन दो टीमों के बीच मुकाबले से पहले हालांकि प्रशंसक रोनाल्डो के समर्थन में नारे लगा रहे थे। इनमें से अधिकतर दर्शक रोनाल्डो की 7 नंबर की जर्सी पहनकर स्टेडियम में पहुंचे थे।

कीवियों को हरा, बांग्लादेश ने भारत को पछाड़...दूसरे नंबर पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 150 रन से रौंदकर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस जीत से मेजबान बांग्लादेश की टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट टेबल में खाता खुल गया है। बांग्लादेश की टीम भारत को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है, जबकि पाकिस्तान पहले नंबर पर मौजूद है। पिछले 23 महीने में बांग्लादेश की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में यह दूसरी जीत है। बांग्ला टाइगर्स ने अपने घर में पहली बार टेस्ट में कीवियों का शिकार किया।

मौजूदा सीजन में बांग्लादेश की टीम पहली बार टेस्ट खेलने उतरी थी। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को पराजित कर पूरे 100 प्रतिशत अंक हासिल किए। जीत से उसे पूरे 12 अंक हासिल हुए। इस अंक के साथ बांग्लादेश की टीम भारत को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने सीजन में अभी तक दो टेस्ट मैच खेले हैं। विंडीज के खिलाफ टीम इंडिया ने एक टेस्ट ड्रॉ खेला था जबकि एक में उसे जीत मिली थी। 66.67 प्रतिशत और 16 प्वॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गया है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में रैंकिंग का निर्धारण जीत प्रतिशत के आधार पर होता है। इसकारण भारतीय टीम को बांग्लादेश ने पछाड़ दिया है। डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में पाकिस्तान की टीम पहले नंबर पर हैं। पाकिस्तान ने इस सीजन में अपने दोनों टैस्ट मैच जीते हैं। पाकिस्तान की टीम 24 अंक हैं और वह 100 प्रतिशत जीत अंक के साथ पहले नंबर पर हैं।

ऋतुराज गायकवाड़ ने टी20 में तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड, पूरे किए 4 हजार रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने टी20 में विराट कोहली का रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रायपुर में खेले गए चौथे टी20 मैच में 28 गेंदों पर 3 चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन की पारी खेली। भारत ने इस मुकाबले को 20 रन से अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी20 सीरीज पर भी कब्जा कर लिया। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 7 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। 26 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने इस मैच में टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन भी पूरे कर लिए। गायकवाड़ टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 4 हजारी

बनने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान विराट कोहली और केएल राहुल को भी पीछे छोड़ दिया। गायकवाड़ ने 116 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। केएल राहुल ने 117 जबकि विराट कोहली ने 138 पारियों में 4 हजार का आंकड़ा छूआ था।

टी20 क्रिकेट में ओवरऑल सबसे तेज 4000 रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में ऋतुराज गायकवाड़ न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे के साथ ज्वॉइंट रूप से चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में विंडीज के क्रिस गेल टॉप पर हैं। गेल ने यह कीर्तिमान 107 पारियों में बनाया था। गायकवाड़ से आगे शॉन मार्श और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम हैं। ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श ने 113 जबकि बाबर ने 115 पारियों में यह मुकाम हासिल किया। ऋतुराज गायकवाड़ के 121 टी20 मैचों में 4025 रन हो गए हैं। उन्होंने 18 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 490 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 123 रन रहा है।

आईपीएल के लिए रजिस्ट्रेशन में होड़, 25 प्लेयर्स ने बेस प्राइस रखी 2 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय आईपीएल ऑक्शन करीब आते ही खिलाड़ियों में रजिस्ट्रेशन की होड़ मच गई है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो आईपीएल 2024 के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। इनमें 25 खिलाड़ी दो करोड़ की बेस प्राइस के साथ हैं। बताया जा रहा है कि संभवत-इनमें से 77 खिलाड़ियों की खरीदो फरोख्त होने की पूरी संभावना है। इन 1166 खिलाड़ियों में 830 भारतीय, 336 विदेशी प्लेयर्स हैं। इनमें 909 अनकैप्ड, 212 कैप्ड, 45 एसोसिएट खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा दो, डेढ़ और एक करोड़ के बेस प्राइस वाले प्लेयर्स की लिस्ट भी निकली हैं। विभिन्न देशों से 2 करोड़ बेस प्राइस वाले प्लेयर्स में भारत से हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव हैं। वहीं इंगलैंड से हैरी ब्रूक, टॉम बैंटन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, डेविड विली, क्रिस वोक्स हैं। इसी तरह ऑस्ट्रेलिया से पेट कमिंस, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, सीन एबॉट का नाम है। अफगानिस्तान से मुजीब उर रहमान व साऊथ अफ्रीका से जेराड कोइट्जे, रिली रौसोव, रासी वेन दर दूसें शामिल हैं। दो करोड़ बेस प्राइज में ही न्यूजीलैंड के लॉकी फार्ग्यूसन, बांगलादेश के मुस्तिफिजुर रहमान तथा श्रीलंका के एजेलो मैथ्यूज लिस्ट में हैं। इसी तरह 1.5 करोड़ बेस प्राइस वाले स्टार खिलाड़ी में मोहम्मद नबी, हेनरिक्स, लिन, केन रिचर्डसन, सैम्स, वॉरॉल, सैम कुरेन, मर्चेंट डी लैंग, क्रिस जॉर्डन, दाविद मालन, मिल्स, फिल साल्ट, कोरी एंडरसन, कोलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउथी, इंग्राम, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, रदरफोर्ड का नाम है। वहीं 1 करोड़ रुपए बेस प्राइस वाले खिलाड़ी की लिस्ट में एश्टन एगर, रिले मेरेडिथ, डीआर्सी शॉर्ट, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, मार्टिन गुप्टिल, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रीटोरियस, अल्ज़ारी जोसेफ, रोवमैन पॉवेल, डेविड विसे हैं।

करोड़ों की कमाई कर रहा भारतीय टीम का ये राइजिंग स्टार

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने साल 2023 में शानदार बैटिंग की है। पिछले कुछ समय से गिल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में जमकर रन बना रहे हैं। आईपीएल में भी उन्होंने गुजरात टाइटंस की ओर से खेलकर पिछले सीजन में 800 से ज्यादा रन बनाए थे। गिल की इस प्रतिभा को देखकर गुजरात टाइटंस ने उन्हें टीम का कप्तान बनाया है। 5 साल पहले आईपीएल में डेब्यू करने वाले गिल वर्तमान में टीम के राइजिंग स्टार बन चुके हैं। गिल ने इस दौरान खूब कमाई की। उनकी नेटवर्थ करोड़ों में पहुंच चुकी है। 8 सितंबर 1999 में पंजाब में एक किसान परिवार में पैदा हुए गिल की एजुकेशन पंजाब में हुई है। गिल ने साल 2018 में आईपीएल में कदम रखा। इसके बाद से वह लगातार सफलता की सीढी चढ़ते गए। गिल की नेटवर्थ 32 करोड़ है। गिल हर महीने लगभग 66 लाख की कमाई करता है। गिल को बीसीसीआई का ग्रेड बी कॉन्ट्रेक्ट मिला हुआ है जिसमें क्रिकेटर को 3 करोड़ दिए जाते हैं। उन्हें गुजरात टाइटंस (गुजरात ने 8 करोड़ में अपने साथ जोड़ा है। एक टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने को 3 लाख मिलते हैं। वहीं टेस्ट के लिए 15 जबकि एक वनडे के लिए 6 लाख रुपये मिलते हैं। गिल कई ब्रैंड्स को एडॉर्स करते हैं। वह टाटा कैपिटल, सीईएट, जिलेट, भारत पे, माई 11 सर्कल और बजाज एलायंज आदि के विज्ञापन करते हैं। गिल के पास सबसे महंगी कार रेंज रोवर एसयूवी है जिसकी कीमत लगभग 1 करोड़ से डेढ़ करोड़ के बीच में है। इसके अलावा उनके पास महिंद्रा थार है। उन्होंने करोड़ों रुपये रीयल स्टेट में निवेश किए हैं। वह पंजाब में आलीशान घर में रहते हैं। आईपीएल से 3 साल तक उनकी सालाना कमाई लगभग 2 करोड़ थी। साल 2022 में गिल ने जबरदस्त छलांग लगाई। गुजरात टाइटंस ने 8 करोड़ में उन्हें अपने साथ जोड़ा। गिल इस समय ब्रेक के तहत टीम इंडिया से बाहर हैं।

भारतीय कप्तान में ज्यादा नहीं अहं भाव : अश्विन

-हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाने को लेकर बोले स्पिनर

चेन्नई । अगर हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया जाता है तो रोहित शर्मा पूरी शिष्टता के साथ इसे स्वीकार कर लेंगे क्योंकि भारतीय कप्तान में अहं भाव ज्यादा नहीं है। यह कहना है कि भारत के चोटी के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का। मालूम हो कि हार्दिक दो सत्र तक गुजरात टाइटंस की कप्तानी करने के बाद हाल में फिर से मुंबई इंडियंस से जुड़े। उन्होंने 2015 में मुंबई की टीम की तरफ से ही आईपीएल में पदार्पण किया था। वह 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ गए थे और उन्होंने पहले सत्र में ही इस टीम को विजेता बनाया था। रोहित अभी मुंबई इंडियंस के कप्तान है लेकिन हार्दिक के टीम से जुड़ने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में पूछे जाने पर अश्विन ने कहा कि जिस दिन वह खेलने के लिए खुद को प्रेरित नहीं कर पाएंगे उस दिन इस खेल को अलविदा कह देंगे। उन्होंने कहा कि जिस दिन मुझे लगेगा कि मैं खेलने के लिए खुद को प्रेरित नहीं कर पा रहा हूं। जिस दिन मुझे सुबह उठकर बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने को लेकर खीझ पैदा होगी। उस दिन मैं समझ जाऊंगा कि अब खेल खत्म हो चुका है। मैं तुरंत ही संन्यास ले लूंगा और सभी का आभार व्यक्त करके जिंदगी के अगले अध्याय की राह पकड़ लूंगा। अश्विन ने पूर्व क्रिकेटर एस बद्रीनाथ के साथ अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि रोहित शर्मा में ज्यादा अहंकार नहीं है। वह एक शानदार इंसान और बहुत अच्छा कप्तान है। (यदि हार्दिक को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया जाता है तो) वह इसे पूरी शिष्टता के साथ स्वीकार कर लेंगे।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम कुआलालंपुर के लिए रवाना, उपकप्तान को बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुई, जो 5-16 दिसंबर तक कुआलालंपुर में होगा। भारत टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में तीसरे/चौथे स्थान के मैच में फ्रांस से हारने के बाद चौथे स्थान पर रहा, जो 2021 में भारत के भुवनेश्वर में आयोजित किया गया था। भारत को पूल सी में स्पेन, कोरिया और कनाडा के साथ रखा गया है, जबकि मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को चिली, ऑस्ट्रेलिया और मेजबान मलेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है। पूल बी में जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका और मिस्र को रखा गया है, जबकि पूल डी में नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, बेल्जियम और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 5 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। टीम का अगला मैच 7 दिसंबर को स्पेन से और पूल चरण का आखिरी मैच 9 दिसंबर को कनाडा से होगा। भारत को क्वार्टर-फाइनल में अपनी प्रविष्टि सुरक्षित करने के लिए पूल सी में शीर्ष दो में

रहना होगा। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 से सफलतापूर्वक वापसी के प्रयास में कप्तान उत्तम सिंह को उप कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, पिछली बार हमें फ्रांस से तीसरे/चौथे स्थान का मैच हारने की कड़वी निराशा का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने वापसी की है और एक दूसरे के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। टीम पहले से कहीं अधिक मजबूत है। हमेशा की तरह, टीम मैच दर मैच जीत हासिल करेगी, हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करने और उम्मीद है कि भारत पदक वापस लाएगा।

उप कप्तान हुंदल ने कप्तान के विचारों पर सहमति जताकर कहा, पिछले विश्व कप के बाद से टीम काफी विकसित हुई है। हमने सुल्तान जोहोर कप 2022 और पुरुष जूनियर एशिया कप जीता और हाल ही में सुल्तान जोहोर कप 2023 में भी तीसरे स्थान पर रहे। इसकारण, हम जानते हैं कि हम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 जीतने में सक्षम हैं, यह समय आने पर अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की बात है। विश्व कप की तैयारी कर रही भारतीय टीम को अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण टीम संयोजन में बदलाव का सामना करना पड़ा। शारदानंद तिवारी, जो शुरू में 18 सदस्यीय टीम का हिस्सा थे, को बीमारी के कारण हटना पड़ा और उनकी जगह सुखविंदर को लिया गया है। सुखविंदर के टीम में प्रवेश के परिणामस्वरूप योगेम्बर रावत को इस आयोजन के लिए प्रतिस्थापन एथलीट के रूप में जोड़ा गया है।

ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में वापसी करेंगे राफेल नडाल

मैड्रिड । स्पेनिश स्टार राफेल नडाल ने शुक्रवार को कहा कि वह जनवरी में आस्ट्रेलिया में होने वाले ब्रिसबेन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में वापसी करेंगे। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल जनवरी के बाद से टूर पर नहीं खेले हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट एक वीडियो में कहा कि एक साल तक टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा नहीं करने के बाद अब वापसी का समय। उन्होंने कहा कि वापसी जनवरी के पहले हफ्ते में ब्रिसबेन में होगी। मिलता हूं। वह आस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में मिली हार के दौरान कूल्हे में चोट लगा बैठे थे। मई में फ्रेंच ओपन के शुरू होने से पहले नडाल ने घोषणा की थी कि वह टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे जिसे वह रिकॉर्ड 14 बार जीत चुके हैं। उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं पता कि वह कब वापसी करेंगे। उन्होंने तब कहा था कि उन्हें 2024 में खेलने की उम्मीद है जो उनका अंतिम सत्र हो सकता है। उन्होंने उस समय एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था- आपको नहीं पता कि चीजें कैसी रहती हैं। लेकिन मेरी इच्छा है कि अगला साल मेरे करियर का अंतिम वर्ष होगा। जून में बार्सिलोना में उनकी 'आर्थोस्कोपिक' सर्जरी हुई थी।

इंग्लैंड ए ने दूसरे टी20 मैच में भारत ए महिला टीम को 4 विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। इस्सी वोंग ने 15 गेंद में 35 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत ए म?हिला टीम को 4 विकेट से हरा दिया है। इंग्लैंड महिला ए ने दूसरे मुकाबले में शुक्रवार को यहां तीन मैचों की टी20 श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया। भारत महिला ए के नौ विकेट पर 149 रन के जवाब में इंग्लैंड की पारी 15वें ओवर में पांचवां विकेट गिरने से लड़खड़ा गई थी लेकिन वोंग ने इसके बाद पांच चौके और एक छक्का जड़ित नाबाद पारी खेलकर सात गेंद शेष रहते टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने अपने आखिरी 23 रन सिर्फ सात गेंदों में बनाए। इंग्लैंड को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। वोंग ने काशवी गौतम के खिलाफ दो चौके और एक छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। हालां?कि श्रृंखला का निर्णायक मुकाबला तीन दिसंबर को खेला जाएगा। वोंग की ताबड़तोड़ पारी से पहले ग्रेस स्क्रिवेन्स ने सर्वाधिक 39 रन बनाने के अलावा माइया बाउचर के साथ पहले विकेट के लिए 38 की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वहीं बाउचर ने 27 रन की आक्रामक पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। उन्हें भारत की कप्तान मिन्नू मणि (29 रन पर दो विकेट) ने आउट कर दिया। श्रेयंका पाटिल ने इसके बाद शानदार लय में चल रही होली अमितेज (13) को बोल्ड किया। मिन्नू ने इसके बाद स्क्रिवेन्स की 34 गेंद की पारी को खत्म कर टीम को तीसरी सफलता दिलायी।

शमी को लेकर बीसीसीआई ने कहा, अभी फिटनेस पर काम कर रहे

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित हो चुकी है। हैरान करने वाली बात ये है कि मोहम्मद शमी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं है। इस पर बीसीसीआई ने बताया है कि शमी अभी मेडिकल ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उनकी वापसी इसके बाद होगी। बता दें कि शमी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। जिसमें अभी काफी दिन बचे हैं। तब तक शमी पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट होने हैं। पहला टेस्ट 26 दिसंबर से वहीं दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से खेला जाना है। शमी ने वर्ल्ड कप के इतिहास में वह 50 विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। उनके ओवरऑल वनडे करियर की बात करें, तब शमी अब तक 101 मैच में 24 की औसत से 195 विकेट ले चुके हैं। 10 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। वे टेस्ट में 229 और टी20 इंटरनेशनल में 24 विकेट झटक चुके हैं। वर्ल्ड कप में उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे। औसत सिर्फ 10 का रहा था।

युवा बल्लेबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से चयनकर्ता परेशानी में, कौन बनेगा टीम की ओपनिंग जोड़ी

-टी20 वर्ल्ड कप में 6 महीने का समय

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया वनडे वर्ल्ड कप मिशन फेल होने के बाद टी20 वर्ल्ड कप के लिए रोडमैप तैयार करने में जुट चुकी है। टूर्नामेंट के लिए कई युवा खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन से अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। मेगा इवेंट में महज 6 माह और 8 मैच बाकी है। लेकिन इसके पहले चयनकर्ताओं को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए ओपनिंग का पेंच फंस चुका है। लिस्ट में पहला नाम टीम इंडिया के युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल का है। अगस्त 2023 में अपना टी20 डेब्यू करने वाले जायसवाल ने हर किसी को अपनी बल्लेबाजी का दीवाना बनाया है। जायसवाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में पहली ही गेंद से प्रहार करते नजर आए। उनकी आक्रामक शुरुआत उन्हें टॉप ओपनर्स की लिस्ट में सबसे आगे खड़ा कर देती है।

जायसवाल अभी तक टी20 की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक के दम पर 312 रन बना चुके हैं। टी20 वर्ल्ड कप के बाद से सभी टी20 मुकाबलों में 132 बल्लेबाजों ओपनिंग की जिसमें, पहली दस गेंदों में 167.51 का स्ट्राइक रेट जायसवाल का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। इस रेस में भारतीय विकेटकीपर ईशान किशन का भी नाम है। ओपनर के तौर पर ईशान किशन टी20 में बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकते हैं। विकेटकीपर के तौर पर टी20 फॉर्मेट में ईशान के प्रतिस्पर्धा में अभी कोई भी बैटर नजर नहीं आ रहा। संजू सैमसन योजना के बाहर हैं, ऋषभ पंत की वापसी को लेकर संशय है। जब तक चयनकर्ता केएल राहुल को वापस नहीं लाते तब तक ईशान बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। ईशान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए भी लगातार 2 फिफ्टी ठोकी। तीसरा नाम ऋतुराज गायकवाड़ का है, जिन्होंने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 में धुआंधार शतक से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने स्पिन के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप के बाद स्पिनर्स के खिलाफ उन्होंने 47.37 के औसत और 166.22 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। अभी गायकवाड़ के पास कई मौके हैं, यदि वह अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हैं, तब निश्चित तौर पर सेलेक्टर्स को माथापच्ची करनी पड़ सकती है।

लिस्ट में कप्तान रोहित शर्मा का भी नाम है। भले ही टी20 वर्ल्ड 2022 के बाद हार्दिक पंड्या ने छोटे प्रारूप में टीम की कमान संभाली हो, लेकिन आगामी टूर्नामेंट के लिए रोहित की कप्तानी की रेस में कोई नहीं है। हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर संशय बना हुआ है और टी20 वर्ल्ड कप में हिटमैन की कप्तानी के चर्चे चारों

तरफ हैं। रोहित ने बड़े मंच पर अपनी बल्लेबाजी का असली रूप दिखाया। टीम इंडिया की तरफ से तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल भी इस लिस्ट में हैं। 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद गिल ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम इंडिया में अपना पैर जमा रखा है। गिल आईपीएल 2023 में टॉप रन स्कोर रहे, उन्होंने 3 शतक और 4 अर्धशतक के दम पर 890 रनों का अंबार खड़ा कर दिया था।

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मो.शमी*, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने कीम रेलवे ओवरब्रिज के दूसरे चरण का उद्घाटन किया

सूरत।

केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश ने ऑलपाड तालुका के कीम में 65 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। किम में 72 मीटर स्पान आरओबी के साथ राज्य का पहला ओपन वेब गर्डर रेलवे ओवरब्रिज ओवरब्रिज के दूसरी तरफ जनता के लिए खोला जाएगा, जिससे अनुमानित 40 गांवों की सवा लाख से अधिक आबादी को यातायात की समस्या से राहत मिलेगी। हजारों दैनिक यात्रियों को राहत मिलेगी।

इस मौके पर केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार के डबल इंजन के सुशासन के कारण विकास कार्य तेजी से साकार हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जहां शहरों को सुविधायुक्त और खुशहाल बनाने का निर्देश दिया है, वहीं इस डबल इंजन से हमारे शहरों का सुनियोजित विकास कर विकास की कतार में वैश्विक शहरों के बराबर खड़ा किया जा रहा है। एक जिम्मेदार जन प्रतिनिधि के रूप में हमें सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, जनता के लिए किए गए कार्यों, कल्याणकारी कार्यों, प्रयासों और परिणामों का लेखा-जोखा लेकर जनता के बीच जाना है।

उन्होंने कहा कि जनोन्मुख दृष्टिकोण को उजागर करके हम यह विश्वास दिलाएंगे कि राज्य और केंद्र सरकार जनता के लिए काम कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के पारदर्शी विकासात्मक पहलुओं के कारण कीम सहित आवश्यक रेलवे स्टेशनों पर बुनियादी ढांचे के कार्यों में तेजी आई है। सरकार निकट भविष्य में सभी रेलवे लाइनों को पार करने वाली सड़कों पर ओवरब्रिज बनाकर गुजरात को चोट मुक्त्ज बनाने की दिशा में काम कर रही है। राज्य सरकार ने सदैव ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में समान रूप से विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है।

इस अवसर पर ऑलपाड तालुका पंचायत अध्यक्ष निताबेन पटेल, तालुका पंचायत उपाध्यक्ष किरणभाई पटेल, तालुका पंचायत के सत्तारूढ़ दल के नेता श्री जिग्नेशभाई पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री जयेश पटेल, जिला संगठन महासचिव श्री किशनभाई पटेल, तालुका एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रिजेशभाई पटेल, तालुका एसोसिएशन के महासचिव सर्वश्री कुलदीप भाई ठाकोर, सुनीलभाई पटेल, ऑलपाड तालुका पंचायत दंडकश्री किशोरभाई राठौड़, सरपंचश्री प्रवीणभाई पटेल, इस अवसर पर डे. सरपंच मनोजभाई मेवाड़, नेता, कीम ग्राम पंचायत के सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री श्याम जन्मोत्सव का होगा आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। नंदिनी परिवार सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बाबा श्याम का जन्मोत्सव रविवार को वेसू स्थित नंदिनी-1 के प्रांगण में मनाया जायेगा । इस मौक़े पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जायेगा एवं शाम सवा छ बजे से शृंगारित दरबार के समक्ष अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी । इसके पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा, जिसमें स्थानीय गायक कलाकार जुगल अग्रवाल, अजीत दाधीच एवं सुमित शेरेवाला भजनों की प्रस्तुति देंगे । इस मौक़े पर बाबा श्याम को छप्पन भोग एवं चूरमा का भोग लगाया जायेगा ।

शिक्षा के क्षेत्र में एल.पी.सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के वाइस चेयरमैन डॉ. धर्मेंद्र सवानी की उपलब्धियां

सूरत भूमि, सूरत।

औद्योगिक विकास के साथ-साथ सूरत शहर ने शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी प्रगति की है और इसमें अहम भूमिका निभाने वालों में सूरत के एल.पी.सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स का नाम प्रमुख है। फिर अब एल. पी. सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के वाइस चेयरमैन डॉ. धर्मेंद्र सवानी और एल.पी. सावनी ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल की है। डॉ. धर्मेंद्र सवानी ने अमेरिकी यूनिवर्सिटी से पीएचडी की डिग्री हासिल की है, जबकि इसी यूनिवर्सिटी से एल. पी.सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स को बेस्ट ओवर ऑल स्कूल डेवलपमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया है।

डॉ. धर्मेंद्र सवानी ने कहा कि शिक्षा उनका पसंदीदा विषय रहा है और शिक्षा के प्रति इसी जुनून के कारण उन्होंने शिक्षा का क्षेत्र चुना। डॉ. धर्मेंद्र सवानी ने स्वयं वर्ष 2008 में एक ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की, हालांकि बाद में उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में शामिल होने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी और आज सफलतापूर्वक एलपी सवानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स चला रहे हैं। उनका कहना है कि साल 2008 के बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई का विचार छोड़ दिया। इसी बीच पिछले साल जब उन्हें पीएचडी की पढ़ाई का मौका मिला तो उन्होंने मौके का फायदा उठाया। अमेरिका की मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी में ऑनलाइन प्रवेश के साथ-साथ पीएचडी के पेपर तैयार कर जमा किए।

अब एक साल बाद इन पेपर्स को विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता दी गई है और हाल ही में मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से मलेशिया विश्वविद्यालय के परिसर में जेडब्ल्यू मैरियट में एक स्नातक समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें धर्मेंद्र सवानी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ ही एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स को यूनिवर्सिटी द्वारा बेस्ट ओवर ऑल स्कूल डेवलपमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि 6000 स्कूलों में से यह पुरस्कार एलपी सवाणी ग्रुप ऑफ स्कूल्स को दिया गया। डॉ. धर्मेंद्र सवानी ने कहा कि शिक्षा में डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर उन्हें एक अलग अनुभूति और गर्व की अनुभूति हो रही है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने जैविक खेती को लेकर जिला प्रशासन एवं आत्मा के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

सूरत । राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने प्राकृतिक खेती का प्रचलन बढ़ाने के लिए सर्किट हाउस में प्राकृतिक खेती के संबंध में सूरत जिला प्रशासन और आत्मा के अधिकारियों के साथ बैठक की और जिले के अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने जिले में जैविक खेती कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक सुझाव दिये।

राज्यपाल ने कहा कि विषमुक्त खेती एवं पौष्टिक आहार के लिए प्राकृतिक खेती ही एकमात्र विकल्प है। जैविक खेती से किसानों और कृषि को समृद्ध बनाने के लिए प्राकृतिक कृषि अपनाने का आह्वान किया है और प्रत्येक गांव से 75 किसानों को प्राकृतिक कृषि से जोड़ने का आह्वान किया है, इस संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। प्राकृतिक कृषि के जन अभियान को आगे बढ़ायें। जिसका परिणाम है कि आज गुजरात में 9 लाख से अधिक किसान प्राकृतिक खेती को अपना चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में महिलाओं को प्रोत्साहित किया जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी ने देश के कृषि उत्पादन घटता नहीं बल्कि उत्तरोत्तर बढ़ता है, इस हकीकत को समझना किसानों के लिए बहुत जरूरी है। जैविक खेती और प्राकृतिक खेती के बीच एक बड़ा अंतर है। जैविक खेती पूरी तरह से विफल है, जबकि शुद्ध जैविक खेती कृषि और किसानों के लिए संकटमोचक बन गई है, इतना ही नहीं, जैविक खेती पर्यावरण और रोगाणुओं की रक्षा करती है। हवा शुद्ध रहती है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है। गया माता और धरती माता की रक्षा होती है।

राज्य में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश को ग्लोबल वार्मिंग और मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ की जा रही छेड़छाड़ का नतीजा बताते हुए राज्यपाल ने साफ कहा कि अगर हम प्रकृति का साथ देंगे तो हमें खुशी मिलेगी, लेकिन अगर हम इसके विपरीत राह पर चलते हैं, अगर हम खुद को प्रकृति से विमुख कर देते हैं , मानव जाति को इसके गंभीर परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। इस संबंध में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी ग्लोबल वार्मिंग, बारिश के पैटर्न में बदलाव, तापमान में वृद्धि और मौसम में बदलाव जैसे पर्यावरणीय खतरों से निपटने के लिए रोडमैप के लिए लगातार काम कर रहे हैं और चिंतित हैं।

यह कहते हुए कि गुजरात प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में देश का नेतृत्व करेगा, राज्यपाल ने उपस्थित प्रमुख प्रगतिशील किसानों से उन्हें प्राकृतिक कृषि अपनाने के लिए प्रेरित करने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य राज्य के आदिवासी जिलों को डांग जिले की तरह पूरी तरह से प्राकृतिक बनाना और प्रकृति-प्रेमी जनजातियों को इस अभियान का हिस्सा बनाना है।

जैनाचार्य विजय रत्नसुंदरसूरीश्वरजी म.सा. द्वारा 450वीं पुस्तक पासवर्ड का लॉन्च

सूरत। जैनाचार्य विजय रत्नसुंदरसूरीश्वरजी म.सा. को शनिवार 2 दिसंबर 2023 को वेसु में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। 21 दिवसीय सूरी मंत्र पंच प्रस्थान साधना पूर्ण।

साथ ही महाविदेह धाम में उनका स्वर्ण साधना कक्ष सूरत के भक्तों के लिए खुला रखा गया, जिसमें हजारों भक्तों ने लाभ उठाया। सूरी मंत्र की आराधना के बाद सैकड़ों श्रद्धालु पूज्य जैनाचार्य से मंगलकामना सुनने पहुंचे।इस अवसर पर पूज्य गुरुजी द्वारा लिखित 450वीं अद्भुत पुस्तक पासवर्ड का विमोचन किया गया।

450वीं पुस्तक पासवर्ड के विमोचन पर टिप्पणी करते हुए जैनाचार्य विजय रत्नसुंदरसूरीश्वरजी म.सा. मेरे द्वारा लिखी गई पुस्तक के लिए मुझे क्या कहना चाहिए? लेकिन यह किताब एक नए दृष्टिकोण से लिखी गई है। उदाहरण के लिए, लोग दो मिनट की क्लिप सुनने में बहुत रुचि रखते हैं। इसी तरह, लोग कम से कम जो लिखा है उसे पढ़ने में अधिक रुचि रखते हैं। लम्बे समय से साहित्यिक रचनाओं का यही अनुभव रहा है।

तो एक ऐसी किताब प्रकाशित हुई है जो साहित्य की दुनिया की पहली किताब होगी. सवाल भी एक लाइन में है और जवाब भी एक लाइन में है. अगर किसी को ऐसे 700 सवाल और उनके 700 जवाब चाहिए तो वह आधे घंटे में पूरी किताब पढ़ सकता है। और अगर आप इसके बारे में सोचेंगे तो इसमें 6 महीने लग जाएंगे।इतनी छोटी और प्यारी किताब एक ऐसी किताब है जो छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए आकर्षण का केंद्र होगी।

यह पुस्तक जीवन, धार्मिक, व्यवहारिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक, शांति और सुख को ध्यान में रखते हुए जीवन के सभी प्रश्नों का समाधान करती है। कल से जैसे ही यह लोगों के हाथ में जायेगा, इसे अच्छी प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया और प्रतिभा मिलेगी। आशा है कि लोग इसे पढ़कर अपने जीवन और दिमाग को समृद्ध करेंगे।

डॉ. संजय बिपिनचंद्र शाह आज परम आदरणीय पद्म भूषण विपुषित राजप्रतिबोध आचार्य भगवंत रत्नसुंदरसूरीश्वरजी महाराज द्वारा प्रकाशित 450वीं पुस्तक पासवर्ड के विमोचन से हमारा परिवार लाभान्वित हुआ, जिसके लिए हम आचार्य भगवंत के अत्यंत आभारी हैं।

एक अद्भुत पुस्तक लिखी गई है जो सील संस्कृति और नैतिकता के लिए पूज्य श्री के कई वर्षों के प्रयासों का विस्तार है। यदि कोई व्यक्ति इस पुस्तक के माध्यम से अपना जीवन बदलता है तो उसका परिवार निश्चित रूप से बदल जाएगा। अगर एक परिवार में बदलाव आएगा तो समाज सुधरेगा और अगर समाज सुधरेगा तो पूरा देश और पूरी दुनिया बदल जाएगी। अपने मूल सिद्धांतों पर आधारित पुस्तक का आज सूरत के लोगों के लिए विमोचन किया गया और इसका लाभ हमारे परिवार को मिला, जिससे हम बहुत खुश हैं।

उन्होंने इस किताब की खासियत बताते हुए कहा कि अगर आप इस किताब को हाथ में पकड़ेंगे तो इसके किरदारों के नाम ऐसे पढ़ेंगे जैसे आप खुद ही इसके किरदार हों. क्या बच्चा, क्या जवान, क्या महिला और क्या बूढ़ा, सभी पाठक अपनी मानसिक समस्याओं का समाधान इस पुस्तक में पाते हैं। किताब सुंदर सरल भाषा में लोगों के सवालों का जवाब देती है। अब तक 450 पुस्तकों में 45 हजार पृष्ठ लिखे जा चुके हैं। अब तक किताब की 40 से 45 लाख प्रतियां दुनिया भर में पहुंच चुकी हैं।

उन्होंने सूरत शहर के लोगों को संदेश देते हुए कहा कि इस किताब में एक लाइन में सवाल और जवाब एक लाइन में दिए गए हैं. सूरत में पिछले 6 महीनों में अब तक 28 पुस्तकों का विमोचन हो चुका है। यह किताब रत्नाचेरिटेबल ट्रस्ट की वेबसाइट रत्नावर्ल्ड पर उपलब्ध है। अगर किसी को दिलचस्पी है तो वह किताब ऑर्डर कर सकता है। पुस्तक विमोचन का लाभ लेने वाले श्रेष्ठवर्य मणिलाल दहयाभाई, बिपिनचंद्र चिमनलाल शाह ने आभार व्यक्त किया।

आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड्स की मदद से 1,000 करोड़ तक की पूंजी जुटाएगा, प्रतिवर्ष 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न पेश किया

भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग माईक्रोफाईनेंस कंपनियों (एनबीएफसी-एमएफआई) में से एक, आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस सिक्योर्ड बॉन्ड्स के अपने पहले पब्लिक इश्यू की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक वृद्धि और पूंजी निर्माण के लिए किया जाएगा। ये बॉन्ड अत्यधिक सुरक्षा के साथ 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न प्रदान करेंगे। ये इश्यू सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 से मिलना शुरू होंगे, और शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 तक मिलेंगे। आईआईएफएल समस्ता आईआईएफएल फाईनेंस का अंग है, जो भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित एनबीएफसी समूहों में से एक है, जिसके पास 73,066 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट हैं।

आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस के एमडी एवं सीईओ, श्री वेंकटेश एन ने कहा, ''आईआईएफएल समस्ता अपनी 1,500 शाखाओं के द्वारा पूरे भारत में मजबूत स्थिति में मौजूद है। यह सेवाओं की कमी वाले और उनसे वंचित लोगों की क्रेडिट की जरूरतों को पूरा करता है, जो मुख्यत: अपने विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ वंचित पृष्ठभूमि की महिला उद्यमियों पर केंद्रित है। इन बॉन्ड्स की मदद से एकत्रित किए गए फंड का उपयोग इन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और व्यावसायिक वृद्धि लाने के लिए किया जाएगा।''

आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस 200 करोड़ रु. के बॉन्ड्स जारी करेगा, और उसके पास 800 करोड़ रु. तक के ओवर-सब्सक्रिप्शन (कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रु.) बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू का विकल्प भी होगा। आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड 60 महीने की अवधि के लिए 10.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वाधिक कूपन दर प्रदान करते हैं। ये एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। ब्याज के भुगतान की फ्रीक्वेंसी हर सीरीज़ के लिए मासिक और वार्षिक आधार पर उपलब्ध होगी।

इसकी क्रेडिट रेटिंग क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्रिसिल एए-/पॉज़िटिव और एक्विटी रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा एक्विटी एए। स्टेबल है, जिससे प्रदर्शित होता है कि ये इंस्ट्रूमेंट अत्यधिक सुरक्षित माने जाते हैं, और बहुत कम क्रेडिट रिस्क के साथ वित्तीय दायित्वों की समय पर सर्विसिंग प्रदान करते हैं। आईआईएफएल समस्ता को इस माह क्रिसिल द्वारा 'स्टेबल' से 'पॉज़िटिव' रेटिंग में अपग्रेड किया गया है।

सूरत। अडाजण में स्थित श्री स्वामीनारायण एचवी विद्यालय यानी ज्ञान, शिक्षा और संस्कार का त्रिवेणी संगम। यह विद्यालय अपने नवोन्मेषी योगदान से शिक्षा जगत में सदैव अग्रणी रहा है। जिसके तहत 43वीं गुजरात राज्य रोलर हॉकी चैंपियनशिप 2023 5 दिसंबर 2023 को तासी वैली इंटरनेशनल स्कूल, दांडी रोड, सूरत में आयोजित की गई थी। इसमें विभिन्न स्कूलों की करीब 20 टीमों ने भाग लिया। श्री स्वामीनारायण एच.वी. विद्यालय की 11 से 14 वर्ष की लड़कों की टीम और 14 से 17 वर्ष की लड़कों की टीम फाइनल में विजयी रही और चैंपियन ट्रॉफी हासिल की। विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रशासक श्री दिनेशभाई गोंडलिया ने सभी विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सूरत। द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने एसजीएफआई द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट में पदक जीते, जो 1 से 21 नवंबर 2023 तक आयोजित किया गया था। जिसमें महमूद फेज़ान हमारे स्कूल द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, उगत-कैनाल रोड, जहांगीराबाद, सूरत- 395009 के जीएसईबी बोर्ड की कक्षा-10 अंग्रेजी माध्यम में पढ़ता है। कक्षा-11 कॉमर्स में पढ़ने वाले भरुचा इब्राहिम और गौस्वामी रोंके ने राज्य स्तर पर लड़कों के अंडर-17 में भाग लिया। टीम ने कांस्य पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। साथ ही, जीएसईबी बोर्ड की गुजराती माध्यम कक्षा-8 में पढ़ने वाली पटेल हीर और ध्रुवी अहीर ने राज्य स्तर पर अंडर-14 लड़कियों में भाग लिया। इस उपलब्धि का सारा श्रेय स्कूल ट्रस्टी गण, कैंपस डायरेक्टर, प्रिंसिपल, स्कूल स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर और स्कूल फुटबॉल कोच मेहुल पटेल को जाता है; जिन्होंने विजेता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी तथा इसी प्रकार आगे भी खेलते रहने तथा विद्यालय का नाम रोशन करते रहने की कामना की।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)